MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 14 मई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-131

कर्नाटक सरकार ने पलटा भाजपाई फैसला, अब कोई बैन नहीं

बुर्क़ा-जनेऊ आज़ाद

बेंगलुरु, 13 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को आदेश जारी कर छात्रों को पूरे राज्य के स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में तय यूनिफॉर्म के साथ कुछ सीमित पारंपरिक और धार्मिक प्रतीक, जैसे हिजाब/हेडस्कार्फ़, पगड़ी, जनेऊ (पवित्र धागा), शिवधारा और रुद्राक्ष पहनने की अनुमति दे दी है।

पिछली भाजपा सरकार द्वारा 5 फरवरी, 2022 को जारी आदेश में शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। सिद्धारमैया सरकार ने बुधवार को नए दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें छात्रों को तय यूनिफॉर्म के साथ कुछ सीमित पारंपरिक और धार्मिक प्रतीक पहनने की अनुमति दी गई, साथ ही संस्थागत अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और शिक्षा तक समान पहुंच की बात कही गई।

आदेश में कहा गया है कि किसी भी छात्र को केवल इसलिए शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए या उसके साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उसने ऐसे पारंपरिक या धार्मिक प्रतीक पहने हैं जिनकी अनुमति है और जो अनुशासन, सुरक्षा या पहचान में कोई बाधा नहीं डालते। अनुमति प्राप्त पारंपरिक और धार्मिक प्रतीकों में ऐसी चीजें शामिल हो सकती हैं जिन्हें छात्र आमतौर पर पहनते हैं, जैसे पगड़ी, जनेऊ, शिवधारा, रुद्राक्ष, हिजाब या इसी तरह के अन्य रूप। शिक्षा को बताया संवैधानिक मूल्यों का प्रमुख साधन।

सरकार ने कहा, शिक्षा छात्रों के सर्वांगीण विकास, मानसिक तनाव को कम करने, संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने और एक वैज्ञानिक, धर्मनिरपेक्ष और समावेशी दृष्टिकोण विकसित करने का एक प्रमुख साधन है। शिक्षण संस्थान ऐसे संवैधानिक स्थान हैं, जहां छात्र वैज्ञानिक सोच, तर्कसंगत विचार, समानता, गरिमा, भाईचारा, अनुशासन, आपसी सम्मान, सामाजिक सद्भाव और एक संवैधानिक लोकतंत्र में जिम्मेदार नागरिकता सीखते हैं।

आदेश में कहा गया कि पिछला आदेश यूनिफॉर्म और ड्रेस कोड से जुड़े मुद्दों के संदर्भ में जारी किया गया था, लेकिन उसके कार्यान्वयन के दौरान अलग-अलग समुदायों के छात्रों द्वारा अपनाई जाने वाली कुछ सीमित पारंपरिक और धार्मिक प्रथाओं के संबंध में चिंताएं सामने आई थीं। समीक्षा के बाद, सरकार इस राय पर पहुंची कि ऐसी सीमित प्रथाओं की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते वे संस्थागत अनुशासन को भंग न करें, और वे एकरूपता या पहचान पर कोई असर न डालें, तथा अनुशासन, सुरक्षा, शिक्षण या सार्वजनिक व्यवस्था में कोई बाधा न डालें। कर्नाटक सरकार के आदेश में कहा गया, संवैधानिक अर्थ में धर्मनिरपेक्षता का मतलब व्यक्तिगत मान्यताओं का विरोध करना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है सभी का समान सम्मान, संस्थागत तटस्थता और बिना किसी भेदभाव के आचरण करना है। सरकार ने आगे कहा कि किसी भी छात्र को अनुमति प्राप्त प्रतीक पहनने के आधार पर कक्षाओं, परीक्षाओं या शैक्षणिक गतिविधियों में प्रवेश से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इस आदेश में स्कूल विकास और निगरानी समितियों, कॉलेज विकास समितियों, प्रबंधन और संस्थानों के प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि किसी भी छात्र को किसी भी तरह के भेदभाव या अपमान का सामना न करना पड़े।

मोदी अपील के बावजूद गोल्ड खरीदने की होड़

इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ी, पीएम काफिला घटा

नयी दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव से देश पर संकट ना आए, इसके लिए पीएम मोदी ने देशवासियों से कुछ अपील की है, ताकि कम से कम फॉरेक्स रिजर्व खर्च हो। पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की है, जिसके बाद कुछ बाजारों में तो शांति देखने को मिली।

लेकिन पूरे भारत में ज्वेलरी की दुकानों पर शादी और दुल्हन के लिए सोना खरीदने की होड़ मची हुई है। लोग पैनिक में सोने-चांदी की खूब खरीद रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर खाड़ी युद्ध के असर को कम करने के लिए खर्च में कटौती के उपायों के तहत, कंज्यूमर से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की थी। इसके बाद पूरे भारत में शादी के गहनों की घबराहट में खरीदारी शुरू हो गई है।

हालांकि प्रधानमंत्री ने आज मात्र दो वाहनों को अपने काफिले में शामिल कर एक उदाहरण सेट करने की कोशिश की, किंतु सोने पर लगने वाले आयात शुल्क को 6 से सीधे 15 प्रतिशत करने के बावजूद सोने की पैनिक खरीदी ने नई चिंता पैदा कर दी है।

इकोनॉमिक्स टाइम्स के मुताबिक ज्वेलर्स ने बताया कि कस्टमर्स जून में शुरू होने वाले और अगस्त के मध्य तक चलने वाले शादी के सीजन से पहले, किसी भी संभावित नीतिगत बदलाव से बचने के लिए गहने खरीदने की होड़ में लगे हैं। बिक्री में इस उछाल की मुख्य वजह आयात शुल्क में बढ़ोतरी, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) में बढ़ोतरी, या सोने की खरीद पर और ज्यादा पाबंदियां लगने का डर है।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि पिछले दो दिनों में शादी के गहनों की बिक्री एवरेज डेली सेल के मुकाबले 15-20% बढ़ गई है। इंडस्ट्री के अधिकारियों ने बताया कि एवरेज, बड़ी ज्वेलरी चेन की डेली सेल हर स्टोर पर करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकती है, ▶8पर

विपक्ष और साथियों के आगे झुके विजय

24 घंटे में ज्योतिषी को ओएसडी पद से हटाया

चेन्नई, 13 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट पास करने के कुछ घंटे बाद ही मुख्यमंत्री विजय ने ज्योतिषी राधन पंडित को स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (ओएसडी) पद से हटा दिया। विजय ने पद से हटाने के 24 घंटे पहले ही उन्हें जिम्मेदारी दी थी, लेकिन विपक्ष और सहयोगी पार्टियों के विरोध के बाद फैसला वापस लेना पड़ा।

राधन लंबे समय से विजय के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने विजय के मुख्यमंत्री बनने की भविष्यवाणी की थी। उनकी सलाह पर ही 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण का समय भी बदला गया था। राधन ज्योतिषी होने के साथ टीवीके के प्रवक्ता भी रहे हैं।

टीवीके की सहयोगी पार्टी एमजेके के प्रमुख थमीमुन अंसारी ने विधानसभा में कहा कि निजी तौर पर कोई ज्योतिष में विश्वास रखता है तो यह उसकी पसंद हो सकती है, लेकिन सरकार में ज्योतिष नहीं आना चाहिए।

डीएमडीके महासचिव और विधायक प्रेमलता विजयकांत ने भी एक ज्योतिषी को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाए जाने को निंदनीय बताया है।

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा था- अब से विधानसभा की कोई भूमिका नहीं रह गई है। सिर्फ समय (मुहूर्त) ज्योतिषियों द्वारा बताया जाएगा। एक ज्योतिषी सिर्फ भविष्यवाणी कर सकता है। चुनाव से पहले राधन ने कई सार्वजनिक कार्यक्रमों और ऑनलाइन वीडियो में विजय की कुंडली को सुनामी जैसा बताया था, यानी ऐसी कुंडली जो तमिलनाडु की राजनीति में बड़ी लहर ला सकता है। उनका यह भी कहना था कि टीवीके का नाम अंक ज्योतिष और ज्योतिषीय सिद्धांतों के हिसाब से विजय की कुंडली से मेल खाता है। राधन तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी रह चुके हैं। उनके पास ज्योतिष विद्या में करीब 40 साल से ज्यादा का एक्सपीरियंस है। तमिलनाडु विधानसभा में विजय सरकार ने बुधवार को फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। सदन में कुल 171 विधायक मौजूद रहे। टीवीके के समर्थन में 144 वोट पड़े। इनमें 47 विधायकों वाली अन्नाद्रमुक के 25 बागी विधायकों के भी वोट शामिल हैं।

अखिलेश के सौतेले भाई की मौत

पल्मोनरी थ्रॉम्बोएम्बॉलिज्म बनी प्रतीक की मृत्यु की वजह, अंतिम संस्कार आज

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। लखनऊ की सियासत के लिए बुधवार की सुबह एक मनहूस खबर लेकर आई। सुबह करीब 6:30 बजे तक यह खबर तेजी से फैल चुकी थी कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का निधन हो गया है। तड़के करीब 5:55 बजे उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया, जहां इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में ही बताया कि उनकी नब्ज और धड़कन नहीं चल रही है। इसके बावजूद डॉक्टरों ने ईसीजी और अन्य मेडिकल जांच कर यह पुष्टि की कि प्रतीक यादव की मौत हो चुकी है।

एक तरफ मौत की खबर फैल रही थी, दूसरी तरफ सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर तमाम तरह की अटकलें शुरू हो गईं। सवाल उठने लगे कि अस्पताल लाते समय अपर्णा यादव साथ क्यों नहीं थीं? प्रतीक को उनका स्टाफ अस्पताल लेकर क्यों आया? क्या यह आत्महत्या थी या फिर कोई साजिश? इन चर्चाओं की वजह कुछ महीने पहले सामने आई प्रतीक और अपर्णा यादव के बीच अनबन की खबरें थीं। खुद प्रतीक ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात को सार्वजनिक किया था। हालांकि बाद में दोनों ने इसे गलतफहमी बताते हुए मामला खत्म होने की बात कही थी।

सिविल अस्पताल ने प्रतीक यादव को ब्रॉट डेड घोषित किया। इसके बाद संदेह और चर्चाओं का दौर और तेज हो गया। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी और फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू भेज दिया गया। इस बीच प्रतीक और अपर्णा यादव के आवास पर लोगों का जुटना शुरू हो गया। राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। अपर्णा यादव उस समय लखनऊ में नहीं थीं। उनके करीबी माने जाने वाले मुकेश बहादुर सिंह ने बताया कि वह बंगाल, असम और सोमनाथ की यात्रा पर थीं और सूचना मिलते ही लखनऊ लौट आईं।

अपर्णा यादव ने सुबह करीब 10 बजे फोन पर कहा कि वह इस समय कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं और लखनऊ लौटने के बाद ही बात करेंगी। भाई की मौत की खबर मिलते ही अखिलेश यादव सीधे केजीएमयू की मॉर्चरी पहुंचे। वहां डॉक्टरों से बातचीत के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि कानूनी रूप से जो उचित होगा, परिवार वही करेगा। साथ ही उन्होंने इशारा किया कि प्रतीक यादव हाल के दिनों में कारोबारी नुकसान और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। 38 वर्षीय प्रतीक यादव की अचानक मौत पर लोगों को यकीन करना मुश्किल हो रहा था। फिटनेस को लेकर बेहद सजग रहने वाले प्रतीक को लोग फिटनेस फ्रीक के तौर पर जानते थे। पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टरों की विशेष टीम बनाई गई और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। दोपहर तक प्रतीक और अपर्णा के आवास पर नेताओं, समर्थकों और रिश्तेदारों का पहुंचना शुरू हो गया। पोस्टमार्टम के बाद धीरे-धीरे यह साफ होने लगा कि न तो जहर देने और न ही आत्महत्या जैसी किसी बात के संकेत मिले हैं। पुलिस अधिकारियों ने भी कहा कि पोस्टमार्टम में यदि किसी तरह का फाउल प्ले सामने आता है, तभी जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह पल्मोनरी थ्रॉम्बोएम्बॉलिज्म बताई गई। डॉक्टरों के मुताबिक यह बेहद दुर्लभ स्थिति होती है, जिसमें रक्त धमनियों में थक्का जमने लगता है और इससे हृदय गति रुक सकती है। परिवार की ओर से बताया गया कि सुबह करीब 5:30 बजे प्रतीक यादव घर के किचन में गिरे मिले थे। इसके बाद परिवार के अन्य लोगों को सूचना दी गई और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अपर्णा यादव के घर पहुंचने के बाद शिवपाल यादव, डिंपल यादव और यादव परिवार के अन्य सदस्य वहां पहुंचे।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 27^0

एलपीजी किल्लत अब दूर!

यूएई से डील करने वाले हैं मोदी, यूरोप के चार देशों से भी कई समझौते संभव

नयी दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15-20 मई 2026 तक पांच देशों के दौरे पर जा रहे हैं, जिसकी शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा से हो रही है। पीएम मोदी यूएई में राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नाहयान से मुलाकात करेंगे। ईरान जंग के बीच जहां दुनिया तेल-गैस की किल्लत से जूझ रही है, माना जा रहा है कि मुलाकात के दौरान दोनों नेता ऊर्जा सुरक्षा पर प्रमुखता से बात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से जुड़े दो अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में यूएई ने तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक+ ढांचे से बाहर निकलने का फैसला किया है। ऐसे में दोनों देशों के लिए प्रत्यक्ष द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी और भी अहम हो गई है, खासकर लंबे समय के लिए एनर्जी सप्लाई और उसके भंडारण में सहयोग के क्षेत्र में।

भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों नेता द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें खास तौर पर ऊर्जा सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श शामिल होगा। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष भारत- यूएई कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे। यह साझेदारी मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और लोगों के बीच गहरे संबंधों पर आधारित है। बयान में कहा गया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने में मदद करेगी।भारत और यूएई ने पिछले कुछ सालों में ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ाया है।

▶8पर

केरलम सीएम पर राहुल धर्मसंकट में, घोषणा आज

नयी दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। केरल को छोड़ कर जिन राज्यों में भी चुनाव हुए थे, नई सरकारें भी बन गई हैं। असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी का तो तकरीबन तय ही था, तमिलनाडु में थोड़ी रुकावटें आ रही थीं। तमिलनाडु में भी सी. जोसेफ विजय मुख्यमंत्री भी बन गए, जिसमें कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका है। केरल में सरकार बनाने का मौका मिलने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व अब तक फैसला नहीं ले पाया है। हालांकि, जयराम रमेश इस मुद्दे पर उठ रहे सवालों को शांत करते हुए कह रहे हैं कि कल यानी गुरुवार को सुबह 11 बजे सीएम के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पद की रेस में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल शुरू से ही सबसे आगे बताए जा रहे हैं, जबकि वीडी सतीशन उनके रास्ते में बड़ी चुनौती बने हुए हैं। एक छोर पर केरल में कांग्रेस के सीनियर नेता रमेश चेन्नीथला भी डटे हुए हैं। कुछ मसले ऐसे होते हैं जिनमें फैसला लेना मुश्किल होता है। खासकर तब, जब फैसला लेने में तर्क पर भावनाएं हावी हो जाती हों। केरल में मुख्यमंत्री चुने जाने के मामले में भी ऐसा ही लगता है। मामला पसंद-नापसंद का अपनी जगह है, स्थानीय समीकरणों में उसे फिट करने का चैलेंज अलग से है। ▶8पर

इस साल पहले तीन महीनों में तालिबान-पाकिस्तान संघर्ष में 372 अफगान नागरिक मारे गए : रिपोर्ट

जेनेवा

अफगानिस्तान में इस वर्ष (2026) के पहले तीन महीनों जनवरी, फरवरी और मार्च में तालिबान बलों और पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में कम से कम 372 नागरिक मारे गए और 397 अन्य घायल हुए। यह दावा अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में किया गया है। इसे यूएनएएमए के मानवाधिकार अनुभाग ने तैयार किया है।

अफगानिस्तान के अंग्रेजी समाचार पत्र काबुल नाऊ ने यूएनएएमए के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि सबसे ज्यादा लोग 26 फरवरी को पाकिस्तान के 'ऑपरेशन गजब लिल हक' के शुरू होने के बाद मारे गए। नागरिकों की कुल मौतों और घायलों में से आधे से ज्यादा मामले 16 मार्च को हुए पाकिस्तान के हवाई हमलों से जुड़े हैं। हमलों में काबुल के उम्मीद नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया।

यूएनएएमए ने कहा कि उसने स्वतंत्र रूप से इस बात की पुष्टि की है कि अस्पताल पर हुए हमले में 269 लोग मारे गए और 122 घायल हुए। हालांकि, उसने यह भी चेतावनी दी कि सभी पीड़ितों की गिनती करने में आने वाली चुनौतियों के कारण वास्तविक संख्या इससे कहीं ज़्यादा हो सकती है।

इस अस्पताल परिसर पर तीन बार हवाई हमला किया गया। पहला हमला मस्जिद और सोने के कमरों पर हुआ। दूसरा हमला कंटेनरों से बने भोजन भंडारण क्षेत्र और छात्रावास के एक हिस्से पर हुआ। तीसरा हमला व्यावसायिक प्रशिक्षण भवनों को निशाना बनाकर किया गया। यह भवन लकड़ी के बने थे और उनमें आग लग गई।

तालिबान ने मिशन को जानकारी दी है कि केंद्र पर हुए हमले में 411 से अधिक लोग मारे गए और 261 से ज्यादा घायल हुए, जबकि 491 अन्य लोग सुरक्षित बच गए। काबुल स्थित पाकिस्तान के दूतावास ने यूएनएएमएको लिखित जवाब में बताया कि 16 मार्च की रात को की गई उसकी कार्रवाई 'पूरी तरह से आतंकवादी और सैन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ थी। दूतावास ने इन हमलों को सटीक, लक्षित और पेशेवर बताया पर किसी भी अस्पताल, नशा मुक्ति केंद्र या नागरिक सुविधा को निशाना बनाने से इनकार किया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस हिंसा के कारण पहली अप्रैल तक अफगानिस्तान के अंदर ही लगभग 94,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। आम नागरिकों के घरों, बुनियादी ढांचों और निजी व्यवसायों को भारी नुकसान पहुंचा है। मिशन ने दोनों पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने, आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने और कथित उल्लंघनों की पूरी जांच करने की अपील की। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों और तालिबान लड़ाकों के बीच झड़पें सबसे पहले अक्टूबर 2025 में शुरू हुईं और इस साल फरवरी के आखिर से और तेज हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल इन्वेस्टमेंट मेगा बैंक लिमिटेड के सीईओ ठगी के मामले में गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल इन्वेस्टमेंट मेगा बैंक लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योति प्रकाश पाण्डे को ठगी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। मोबाइल फोन स्विच ऑफ करके फरार होने की कोशिश कर रहे पाण्डे को काठमांडू के बाहर सिन्धुली जिले के बसपार्क से बुधवार को सुबह गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रमुख एआईजी मनोज केसी ने बताया कि मदन भण्डारी राजमार्ग पर वाहन जांच के दौरान बुधवार सुबह करीब 8 बजे उन्हें पकड़ा गया। पाण्डे को स्मार्ट टेलीकाम की संपत्ति खरीद-बिक्री प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। स्मार्ट टेलिकम को नेपाल में दूरसंचार सेवा संचालन के लिए आधारभूत टेलीफोन सेवा का लाइसेंस मिला था, लेकिन कंपनी ने नियमानुसार लाइसेंस का नवीकरण नहीं कराया। इसी कारण कंपनी का लाइसेंस स्वतः रद्द हो गया था। इसके बाद दूरसंचार सेवा प्रदायक की संपत्ति व्यवस्थापन नियमावली के तहत कंपनी की सभी संपत्तियां, दूरसंचार पूर्वाधार, संरचनाएं, दूरसंचार प्रणाली और नेटवर्क को नेपाल दूरसञ्चार प्राधिकरण ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। आरोप है कि इन्वेस्टमेंट मेगा बैंक ने अपने कर्ज की वसूली के नाम पर स्मार्ट टेलीकाम की संपत्ति एक अन्य कंपनी को बेच दी। सीआईबी के अनुसार नेपाल सरकार की संपत्ति को बेईमानीपूर्वक बेचकर सरकार के अधिकार को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से काम किया गया। इस मामले में ठगी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में लोन रिकवरी कमेटी के अध्यक्ष पाण्डे भी संलिप्त पाए गए हैं।

भूकंप से थर्राया तेहरान, मिसाइल हमले के डर से सड़क पर आ गए लोग

तेहरान। युद्ध की विभीषिका झेल रहे ईरान में बीती रात कुदरत के कहर ने एक बार फिर दहशत पैदा कर दी। ईरान की राजधानी तेहरान और उसके आसपास के इलाकों में मंगलवार रात को 4.6 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। यह क्षेत्र तेहरान और माज़ंदरान के बीच का सीमावर्ती इलाका बताया जा रहा है। आधी रात को जब भूकंप आया, तो उस वक्त ज्यादातर लोग सो रहे थे। झटके इतने तेज थे कि लोगों की नींद खुल गई और पूरे शहर में अफरा-तफरी मच गई। वर्तमान में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी सैन्य संघर्ष के कारण लोगों के मन में इस कदर डर बैठा है कि झटके महसूस होते ही कई नागरिकों को लगा कि शायद फिर से कोई बड़ा हवाई हमला या मिसाइल अटैक हुआ है। इसी डर के कारण लोग अपने घरों से निकलकर खुले मैदानों और सड़कों की ओर भागने लगे। हालांकि, कुछ समय बाद जब स्थिति स्पष्ट हुई कि यह प्राकृतिक भूकंप था, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। ईरान के सरकारी मीडिया और प्रसारक आईआरआईबी की शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, इस भूकंप से फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संयुक्त हमलों के बाद से ही ईरान में युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच जब भी धरती कांपती है, तो सोशल मीडिया और आम चर्चाओं में मिसाइल परीक्षण या गुप्त परमाणु परीक्षण की अटकलें तेज हो जाती हैं।

बांग्लादेश-भारत सीमा पर बाड़ लगाने के फैसले से गरमाया माहौल

ढाका। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सीमा सुरक्षा को लेकर अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई है। बंगाल सरकार के इस बड़े फैसले के बाद पड़ोसी देश बांग्लादेश की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बांग्लादेश सरकार ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि वह कटीले तारों या बाड़बंदी से नहीं डरता, लेकिन सीमा पर होने वाली मौतों को लेकर वह चुप नहीं बैठेगा। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने ढाका में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चुनावी बयानबाजी और शासन दो अलग बातें हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि सीमा पर नागरिकों की हत्याएं जारी रहीं, तो हालात पहले जैसे नहीं रहेंगे। बांग्लादेश का मानना है कि यदि भारत दोस्ती बढ़ाना चाहता है, तो उसे सीमा सुरक्षा के मामलों में अधिक मानवीय और नरम रवैया अपनाना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा

ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग मुलाकात पर टिकी दुनिया की नजर

वाशिंगटन/बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के लिए रवाना हो गए। वह बुधवार को बीजिंग पहुंचेंगे। ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली मुलाकात पर दुनिया की नजर है। दोनों नेताओं के बीच विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर बातचीत होनी है। वार्ता के मुख्य बिन्दुओं में खाड़ी युद्ध और शुल्क (टैरिफ) के अलावा दुर्लभ खनिजों को लेकर लंबित व्यापार समझौता शामिल है।

ट्रंप की यह दूसरी चीन यात्रा है। इसका उद्देश्य टैरिफ को लेकर जारी तनाव को खत्म करना और अमेरिका को होने वाले 525 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर असर डालने वाले व्यापार विवाद को सुलझाना है। ट्रंप 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन की यात्रा कर चुके हैं। उनके इस दौरे पर अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भी साथ होंगे। अमेरिकी उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने बताया कि ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे और गुरुवार को स्वागत समारोह और द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लेंगे।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग रवाना होने से पहले ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि चीन के नेता शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात का मुख्य विषय व्यापार होगा। इसके अलावा ईरान के बारे में बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप ने शी को अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि शी के साथ उनकी अच्छी बनती है। ट्रंप ने कहा , मुझे लगता है कि चीन में शी से मुलाकात के दौरान बहुत कुछ अच्छा होने वाला है।

राष्ट्रपति ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में कड़ी चेतावनी भी जारी की। उन्होंने कहा, 'या तो अमेरिका-ईरान कोई समझौता करेंगे या फिर ईरान पूरी तरह से तबाह हो जाएगा। जीत हर हाल में अमेरिका की होगा। ट्रंप ने मौजूदा संघर्ष विराम के बारे में कहा कि वह बीजिंग की उड़ान के दौरान इसके भविष्य पर विचार करेंगे।

अमेरिका हर हाल में जीतेगा जंग : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी जंग अमेरिका हर हाल में जीतेगा। चीन रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के पास हालात संभालने के लिए हर विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत में ईरान युद्ध और होर्मुज संकट पर भी चर्चा करेंगे। हालांकि, व्यापार बैठक का मुख्य मुद्दा रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह रकम सिर्फ हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च हुई है। इसमें सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का खर्च शामिल नहीं है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कांग्रेस से अतिरिक्त रक्षा बजट की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति बने रहने के लिए अमेरिका को 1.5 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत है।

एफडीए कमिश्नर मार्टी मकारी का इस्तीफा: चीन की शिन्हुआ संवाद समिति की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के कमिश्नर मार्टी मकारी ने इस्तीफा दे दिया है और काइल डायमांटास एजेंसी के कार्यवाहक कमिश्नर के तौर पर काम करेंगे। ट्रंप ने मकारी को बेहतर काम करने के लिए बधाई भी दी।

उन्होंने कहा कि मकारी के नेतृत्व में बहुत कुछ हासिल किया गया। काइल डायमांटास बहुत ही प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। उन्हें कार्यवाहक कमिश्नर नियुक्त किया जाएगा। डायमांटास एफडीए में खाद्य मामलों के डिप्टी कमिश्नर रह चुके हैं। वह इस समय एजेंसी के 'ह्यूमन फूड्स प्रोग्राम' का नेतृत्व कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यह सब व्हाइट हाउस और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कथित तनाव और एफडीए के कई फैसलों पर हो रही कड़ी पड़ताल के हफ्तों बाद हुआ है।

फेक न्यूज से खफा, कहा- ऐसा करना देशद्रोह है: सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ट्रुथ सोशल पर कहा कि मीडिया का यह कहना कि ईरान युद्ध में अच्छा कर रहा है, 'लगभग देशद्रोह जैसा' है। ट्रंप ने कहा, 'जब फेक न्यूज में यह कहा जाता है कि हमारा दुश्मन ईरान युद्ध में अमेरिका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो इसे देशद्रोह माना जाना चाहिए। यह इसलिए कि यह दुश्मन की मदद करना और उसे उकसाना है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी संविधान में देशद्रोह को एक ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें कोई व्यक्ति 'जो अमेरिका के प्रति निष्ठा रखता है, उसके खिलाफ युद्ध छेड़ता है, या उसके दुश्मनों का साथ देता है, और उन्हें अमेरिका के भीतर या कहीं और मदद और सहारा देता है।' उन्होंने कहा, 'केवल हारे हुए लोग, एहसान फरामोश और मूर्ख ही अमेरिका के खिलाफ बात कर सकते हैं।' उल्लेखनीय है कि फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर मीडिया को युद्ध के बारे में झूठी रिपोर्टिंग करने पर उनके प्रसारण लाइसेंस रद करने की धमकी दी थी।

संघर्ष के परिणामों को लेकर बनी टकराव की स्थिति

ईरान से जंग में हुए नुकसान को नहीं बताएगा पेंटागन

वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के शीर्ष नेतृत्व और सीनेट के बीच ईरान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष के परिणामों को लेकर टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर के विशाल रक्षा बजट पर सीनेट विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान सांसदों ने प्रशासन से ईरान की वर्तमान सैन्य क्षमता का सटीक ब्यौरा मांगा। हालांकि, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने संघर्ष से हुए नुकसान के विस्तृत और गोपनीय आकलन को सार्वजनिक मंच पर साझा करने से साफ इनकार कर दिया।

सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने तीखे सवाल दागते हुए पूछा कि क्या ईरान के सैन्य बुनियादी ढांचे को कमजोर करने के प्रशासन के दावे वास्तव में जमीनी हकीकत और खुफिया रिपोर्टों से मेल खाते हैं। सीनेटर ब्रायन शैट्ज और क्रिस्टोफर मर्फी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्या अमेरिका ने ईरान की जवाबी हमला करने की क्षमता, विशेष रूप से उसके ड्रोन बेड़े और होर्मुज स्ट्रेट में अपनाई जाने वाली नौसैनिक रणनीतियों का सही अनुमान लगाया है। सीनेटर मर्फी ने कुछ सार्वजनिक रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के कई हफ्तों बाद भी ईरान अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमता का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखे हुए है। जब उन्होंने जनरल डैन केन से इन आंकड़ों की पुष्टि चाही, तो जनरल ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा, मैं इस सार्वजनिक मंच पर खुफिया विभाग के आकलनों पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह सांसदों को यह नहीं बताएंगे कि उन्हें फंडिंग के फैसले किन मानदंडों पर लेने चाहिए।

सीनेटरों का तर्क था कि बिना पारदर्शिता और वास्तविक नुकसान के आंकड़ों के, वे इस युद्ध की सफलता का मूल्यांकन नहीं कर सकते और न ही आगे के भारी-भरकम रक्षा बजट को मंजूरी देने का आधार तय कर सकते हैं। इसके जवाब में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने दोटूक शब्दों में कहा कि यह कोई गोपनीय बैठक नहीं है, इसलिए युद्ध संबंधी संवेदनशील आकलन पर यहां चर्चा करना संभव नहीं है। हेगसेथ ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि पेंटागन ईरानी पलटवार के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर सैन्य कदम का हिसाब रखा गया है। वर्तमान में अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि उसकी कार्रवाई ने ईरान के रक्षा औद्योगिक ढांचे और मिसाइल लॉन्च सिस्टम को काफी हद तक पंगु बना दिया है।

नेपाल सरकार ने मंत्रालयों की संख्या 25 से घटाकर 18 की, नियमावली को मंजूरी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने मंत्रिपरिषद् से स्वीकृत नई कार्यविभाजन नियमावली के माध्यम से मंत्रालयों की संख्या 25 से घटाकर 18 कर दी है। बुधवार को हुई मंत्रिपरिषद् बैठक ने कार्यविभाजन नियमावली को मंजूरी दी, जिससे संघीय सरकार के अंतर्गत मंत्रालयों के पुनर्संरचना का रास्ता साफ हो गया है। पहले संघीय ढांचे में प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् को कार्यालय सहित 22 मंत्री और 3 राज्य मंत्रियों की व्यवस्था थी। नेपाल के संविधान में ही संघीय सरकार में प्रधानमंत्री सहित अधिकतम 25 मंत्रियों को ही रखे जाने का प्रावधान किया गया था। नए निर्णय के बाद अब संघीय सरकार प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद कार्यालय सहित कुल 18 मंत्रालयों के साथ संचालन करेगी। मंत्रिपरिषद् ने संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय का नाम बदलकर मानव संसाधन मन्त्रालय करने का भी निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि यह पुनर्संरचना प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित बनाने और शासन व्यवस्था की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।

अमेरिका में वीजा नियमों का उल्लंघन

10 हजार विद्यार्थी संदिग्ध कंपनियों में कर रहे काम, इनमें भारतीय भी शामिल

यह विद्यार्थी जासूसी, जैविक खतरों, बौद्धिक संपदा की चोरी, वीजा और रोजगार धोखाधड़ी में शामिल हैं

वाशिंगटन

अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग (यूएसए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग) ने 10 हजार ऐसे विदेशी विद्यार्थियों की पहचान की है जिन पर वीजा के वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) प्रावधान का दुरुपयोग कर संदिग्ध नियोक्ताओं के लिए काम करने का आरोप है। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय युवा शामिल हैं। ओपीटी विद्यार्थी वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी छात्र-छात्राओं को 12 महीने तक और कुछ परिस्थियों में 24 महीने तक काम करने की अनुमति देता है। यह नियोक्ताओं के प्रायोजित एच-1बी वीजा में परिवर्तित होने का अवसर भी देता है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के कार्यवाहक निदेशक टॉड लायंस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विद्यार्थी वीजा कार्यक्रम का ओपीटी प्रावधान धोखाधड़ी का अड्डा बन गया है। गृह सुरक्षा विभाग इसकी कई बार जांच कर चुका है। यह विद्यार्थी जासूसी, जैविक खतरों, बौद्धिक संपदा की चोरी, वीजा और रोजगार धोखाधड़ी में शामिल हैं। कइयों ने बुजुर्ग अमेरिकियों को निशाना बनाया है। अमेरिका विदेशी छात्र कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'

लायंस ने कहा कि अधिकांश विद्यार्थी संदिग्ध कंपनियों में नौकरी करने का दावा कर रहे हैं। इनमें से कई कंपनियों का वजूद केवल कागजों पर है। इस धोखाधड़ी में शामिल लोगों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। अधिकारियों ने ऐसी गतिविधियों में शामिल विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वह या तो अपने देश लौट जाएं या तुरंत आत्मसमर्पण कर दें। दस्तावेजों की समीक्षा के बाद या तो वीजा रद कर दिया जाएगा। इन संदिग्ध कंपनियों का जाल टेक्सास, वर्जीनिया, न्यू जर्सी सहित कई राज्यों में फैला हुआ है।

नेपाली कांग्रेस ने पीएम की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई, स्पीकर से हस्तक्षेप का अनुरोध

काठमांडू

नेपाल की प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक निश्कल राई ने प्रधानमंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताते हुए स्पीकर से इस संबंध में रूलिंग लाने की मांग की है।

प्रतिनिधि सभा की बुधवार को हुई बैठक में नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक निश्कल राई ने प्रधानमंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री को स्वयं सदन में पेश नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब देने के लिए उपस्थित होना चाहिए। राई ने कहा कि कल भी हमने प्रधानमंत्री की सदन में उपस्थिति की मांग की थी और आज भी स्थिति वही है। नीति तथा कार्यक्रम पर उठे प्रश्नों का जवाब देने का कार्यसूची में उल्लेख है, लेकिन प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि संसद की गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी स्पीकर की है और प्रधानमंत्री को रूलिंग के माध्यम से सदन में बुलाया जाना चाहिए।राई ने कहा कि सदन की गरिमा और सम्मान बनाए रखने की भूमिका स्पीकर की होती है। आप हमारे नेता भी हैं। यदि आप ही सदन की गरिमा की रक्षा नहीं करेंगे, तो कोई और भी ऐसा नहीं कर सकेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि महाभियोग के अलावा अन्य परिस्थितियों में संसद में न्यायाधीशों और न्यायपालिका पर बहस नहीं की जा सकती। सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के उपनेता गणेश पराजुली की ओर से मंगलवार को न्यायाधीशों की आलोचना किए जाने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। साथ ही स्पीकर से असंवैधानिक गतिविधियों को रोकने की दिशा में ध्यान देने की अपील की।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र नहीं देंगे जवाब

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को बुधवार को संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में सहभागी होते हुए संसद के जवाब देने के लिए समय तय किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उनकी तरफ से इसे स्थगित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय के मुताबिक, प्रतिनिधि सभा की बैठक में संबोधन नहीं करेंगे। सरकार द्वारा संसद में राष्ट्रपति द्वारा पेश प्रस्तुत नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब प्रधानमंत्री देंगे, ऐसा बताते हुए संसद सचिवालय ने पहले सूचना जारी की थी। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दाहाल ने बताया कि प्रधानमंत्री विशेष कारणों से संसद की बैठक को संबोधित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री का बुधवार को संसद में संबोधन कार्यक्रम विशेष कारणवश स्थगित कर दिया गया है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर उठे सवालों का जवाब वित्तमंत्री स्वर्णिम वागले देंगे।' बताया गया है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की तरफ से दो लाइन का लिखित धन्यवाद प्रस्ताव स्पीकर को सौंप दिया गया है। मंगलवार को हुई संसद बैठक में विभिन्न दलों के प्रतिनिधित्व के आधार पर सांसदों ने सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर अपने विचार रखे थे। इस पर उठे सवालों का बुधवार को प्रधानमंत्री को जवाब देना था। प्रधानमंत्री की संसद से दूरी बनाने की यह घटना पहली नहीं है। सोमवार को राष्ट्रपति द्वारा संसद की संयुक्त बैठक में सहभागी होने के लिए जब आए तब भी प्रधानमंत्री उनके स्वागत के समय वहां से नदारद दिखे। जबकि सामान्य शिष्टाचार के तहत राष्ट्रपति के आगमन के समय स्पीकर, डिप्टी स्पीकर और राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष के साथ प्रधानमंत्री को भी मौजूद होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता-पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर-परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उड़द के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 मई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 11:23 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 10:34 तक
योग : प्रीति सायं 05:52 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:23 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 10:34 तक
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , गण्डमूल चालू है , पंचक रात्रि 10:34 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बस स्टैंड पर मासूम की मौत से आक्रोश, संगठनों ने धरना शुरू किया

आसिफाबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद बस स्टेशन पर हुई बस दुर्घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। मात्र 1.5 साल का मासूम तरुण अपनी नानी की गोद में था, जब बस को पीछे लेते समय उससे टक्कर मार दी गई।

हादसे में गंभीर रूप से घायल तरुण को पहले आसिफाबाद सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर उसे मंचेरियाल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक, बस स्टैंड पर बस को पीछे लेते समय टक्कर हुई। टक्कर के कारण तरुण गंभीर रूप से घायल हुआ। प्राथमिक उपचार के बाद उसे मंचेरियाल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद कई सामाजिक संगठन और स्थानीय लोग बस स्टेशन पर धरना प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने आरटीसी डिपो की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। संगठनों ने कहा कि एक मासूम की जान गई है, परिवार को न्याय और उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

डिपो मैनेजर ने तत्काल 5 हजार रुपये देने की बात कही, लेकिन परिवार और संगठनों ने इसे अस्वीकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक कलेक्टर आकर न्याय नहीं दिलाते, धरना जारी रहेगा। डिपो मैनेजर ने स्पष्ट किया कि मुआवजा और कार्रवाई हैदराबाद से होगी। संगठनों ने मैनेजर से सवाल किया कि अगर उनके परिवार का बच्चा होता तो क्या वे इसी तरह का व्यवहार करते। इस सवाल पर मैनेजर चुप रहे। धरना प्रदर्शन के कारण सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

आसिफाबाद सीआई बालाजी प्रसाद मौके पर पहुंचे और मामला शांत करने की कोशिश की, लेकिन लोग न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखने पर अड़े रहे। यह हादसा सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा उदाहरण बन गया है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक तरुण के परिवार को न्याय और उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

भारत के परमाणु सामर्थ्य ने विश्व में बढ़ाया देश का गौरव : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता एवं भारतीय गौरव से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर भारत के परमाणु संपन्न राष्ट्र बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि को स्मरण करते हुए देश के महान वैज्ञानिकों एवं राष्ट्रनायकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल शिमला वाले ने कहा कि 13 मई भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम और गौरवपूर्ण दिन है। उन्होंने आगे कहा कि आज की युवा पीढ़ी को अटल बिहारी वाजपेयी जी के राष्ट्रवादी चिंतन, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णय क्षमता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण में विज्ञान, सेवा और संस्कार तीनों का समान महत्व है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भी सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भारत माता के जयकारों के साथ देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात जरूरतमंद लोगों को अन्नदान एवं सेवा सामग्री का वितरण किया गया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा ही सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है और इसी भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाजहित के कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, अनिल धरसूवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, राजेश सर योगा, रेनू गुप्ता एवं रेनू शर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मतदाता मैपिंग प्रक्रिया मासांत तक पूर्ण करें : हरिता

आसिफाबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विशेष समग्र मतदाता संशोधन कार्यक्रम के तहत जिले में मतदाता मैपिंग प्रक्रिया इस माह के अंत तक शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश जिला कलेक्टर के. हरिता ने दिए।

बुधवार को जिला केंद्र स्थित समेकित कलेक्ट्रेट भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, तहसीलदारों और सुपरवाइज़रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में मैपिंग प्रतिशत कम है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए। बूथ स्तर अधिकारी प्रत्येक घर का दौरा कर विवरण दर्ज करें। मृतक मतदाताओं और स्थानांतरित मतदाताओं को चिन्हित कर नियमों के अनुसार हटाने की कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने बताया कि सेर्प कर्मचारी और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस कार्य में सहयोग करें। राजनीतिक दल अपने बूथ स्तर एजेंटों की सूची उपलब्ध कराएं और प्रक्रिया में सहयोग करें। इसके बाद तहसीलदारों के साथ धान और मक्का खरीद, गन्ने की बोरियों की उपलब्धता, भूभारती आवेदन, प्रमाणपत्र जारी करने और लंबित मामलों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए खरीद केंद्रों का प्रतिदिन निरीक्षण किया जाए। भूभारती राजस्व सम्मेलन में प्राप्त आवेदनों की रिकॉर्ड से मिलान कर क्षेत्रीय स्तर पर जांच कर शीघ्र समाधान किया जाए।

अवैध पशु तस्करी पर विशेष निगरानी:

डीसीपी भास्कर ने चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

मंचेरियाल, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के डीसीपी एगड़ी भास्कर ने बकरीद के त्योहार के मद्देनजर अवैध पशु तस्करी को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने मंचेरियाल जिले के तंदूर मंडल के रेपालेवाड़ा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थापित चेक पोस्ट का अचानक निरीक्षण किया। वहां वाहनों की जांच का जायजा लिया और चेक पोस्ट पर लागू सुरक्षा उपायों की पड़ताल की।

निरीक्षण के बाद ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को कई निर्देश जारी किए। अवैध पशु तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने हर वाहन का गहन निरीक्षण करने और संबंधित दस्तावेजों की सत्यापन करने का आदेश दिया। साथ ही, प्रत्येक वाहन का विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश दिए। डीसीपी ने चेतावनी दी कि अवैध पशु तस्करी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी वाहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सलाह दी कि कोई भी कानून को अपने हाथ में न ले और किसी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में स्थानीय पुलिस या 100 नंबर पर कॉल करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कर्तव्यों का पालन करते समय विशेष रूप से रात के समय हमेशा सतर्क रहें और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें।

युवा नेता नितेश कुमार अग्रवाल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा नेता एवं घांसी बाजार डिवीजन भाजपा अध्यक्ष नितेश कुमार अग्रवाल का जन्मदिन श्री बालाजी फ्रेंड संगठन एसोसिएशन एवं भाजपा टीम घांसी बाजार द्वारा चार कमान स्थित बालाजी निवास के समीप मंच स्थापित कर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नितेश कुमार अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ केक काटकर उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा सभी का सम्मान स्वीकार किया।

कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों ने नितेश कुमार अग्रवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पुष्पगुच्छ, साल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए। साथ ही उनके राजनीतिक जीवन के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं भी व्यक्त कीं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता पवन कुमार मिश्रा, नरेश अवस्थी, यमन सिंह, लक्ष्मी नारायण संघी, महेंद्र कुमार कड़ेल, अनिल बजाज, वैभव शर्मा, पंकज वर्मा, आकाश अग्रवाल, संतोष मुदिराज, विनीत अग्रवाल, नरसिंह यादव, सुनील विजयवर्गीय, विवेक संघी, वेंकटेश प्रसन्न, नवीन चांडक, श्याम नेल्लूरी, विकास गाड़िया, नितिन अग्रवाल, अमृता अग्रवाल, भारत चंदा, कल्याणी, मनीषा ठाकुर, सरिता अग्रवाल, संतोषी, बरखा वर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियां बनीं प्रेरणा का केंद्र : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में हिंदू अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित कवर पार्क पर नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण कर सेवा भाव का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने जिस सेवा कार्य की शुरुआत की है, उसे निरंतर आगे बढ़ाने के लिए मन में दृढ़ इच्छाशक्ति, समर्पण और समाज के प्रति सकारात्मक सोच होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता करना मानव जीवन का सबसे पुण्य कार्य माना गया है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज समाज में एक ऐसे परिवार के रूप में कार्य कर रहा है, जहां सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से आयोजित अन्नदान एवं सामाजिक सेवा कार्यक्रम अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, तेजप्रकाश अग्रवाल, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, हरीश तोल-ाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश जी की पूजा बड़ी धूमधाम से हुई। सर्वप्रथम गणेश जी की आरती की गई तत्पश्चात प्रसाद सभी भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, विजय कुमार थुम्बी, दीपक सरायवाला, अशोक कुमार लखोटिया, सेशय्या गारु , विजय कुमार अग्रवाल, राहुल देशपांडे, राहुल सिंघल, दीपा अग्रवाल, संध्या अग्रवाल झा मैडम, विभा अग्रवाल एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

उप्र में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, 62 लोगों की दर्दनाक मौत, कई जिलों में पंगु हुई बिजली व्यवस्था

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी-पानी की चपेट में आने से अलग-अलग जिलों में 62 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान और टीन शेड उड़ गए, वहीं फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और धूल भरी आंधी के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित रही। कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया।

मरने वालों में भदोही में 11, मिर्जापुर में 6, सीतापुर में 2, कानपुर मंडल में 14, प्रयागराज में 9, प्रतापगढ़ में 4, रायबरेली में 2, संभल में दो और बरेली में 14 लोग शामिल हैं। कानपुर और आसपास के जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के दौरान 12 लोगों की मौत हुई। फतेहपुर में निर्माणाधीन भवन गिरने, पेड़ टूटने और हादसों में सात लोगों की जान चली गई। उन्नाव में पेड़ और बिजली का खंभा गिरने से एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। कानपुर देहात में युवती और बालिका की जान चली गई, जबकि 33 बकरियां भी मर गईं। बरेली मंडल में भी आंधी जानलेवा साबित हुई। बरेली, बदायूं और आसपास के क्षेत्रों में पेड़ और दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई। कई बच्चे और अन्य लोग घायल हुए। सीतापुर, लखीमपुर और हरदोई में भी आंधी-बारिश के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई। सीतापुर में पेड़ और दीवार गिरने से दो लोगों की जान गई और छह लोग घायल हो गए। लखीमपुर में बिजली गिरने से हादसा हुआ, जबकि हरदोई में बिजली गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हो गई। प्रयागराज-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस भी करीब सवा घंटा रुकी रही। कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग और उन्नाव-रायबरेली रेलमार्ग पर पेड़ गिरने से ट्रेनों का संचालन घंटों प्रभावित रहा। हाईवे और मुख्य सड़कों पर पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित रहा। कई जिलों में बिजली के खंभे और तार टूटने से हजारों गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। जिला अधिकारियों को नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने मृतकों के स्वजन को आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक कई जिलों में तेज बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है तथा लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

लखनऊ समेत 30 से अधिक जिलों में लू चलने की चेतावनी बारिश और तेज हवा के चलते भीषण गर्मी से काफी राहत मिली, लेकिन मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक लखनऊ समेत 30 से अधिक जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा, सरकार ने जारी किया आदेश

नयी दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने प्रवीण सूद को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उनके कार्यकाल में एक साल का विस्तार कर दिया है। इस संबंध में केंद्र सरकार की मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही वह अब अगले एक साल तक सीबीआई के निदेशक पद पर बने रहेंगे।

सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, प्रवीण सूद का नया कार्यकाल 24 मई 2026 के बाद प्रभावी होगा। यह फैसला चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इस संबंध में 13 मई 2026 को आधिकारिक आदेश जारी किया गया। यह अधिसूचना कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी की गई है। आदेश में कहा गया है कि भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी प्रवीण सूद को सीबीआई के निदेशक के रूप में एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया गया है। मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति ने इस विस्तार को अपनी स्वीकृति दी। केंद्र सरकार का यह निर्णय ऐसे समय आया है जब सीबीआई कई महत्वपूर्ण मामलों की जांच कर रहा है। ऐसे में प्रवीण सूद का कार्यकाल बढ़ाए जाने को संस्था में निरंतरता बनाए रखने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है। प्रवीण सूद भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हैं और वर्तमान में देश की प्रमुख जांच एजेंसी का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके कार्यकाल विस्तार को प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है। बता दें कि सीबीआई के अगले निदेशक की नियुक्ति को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर उच्चस्तरीय चयन समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। इस समिति में प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई प्रमुख के नामों पर विस्तार से चर्चा की गयी। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया को लेकर असहमति व्यक्त की। बैठक समाप्त होने के बाद उन्होंने अपना असहमति पत्र भी सौंपा। बाद में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने सीबीआई निदेशक चयन प्रक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। राहुल गांधी ने कहा कि वह किसी ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकते जिसे वह निष्पक्ष नहीं मानते और विपक्ष का नेता केवल औपचारिक सहमति देने वाला पद नहीं है।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।

2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखें:पूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।

3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।

4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं- कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफनहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफकरें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।

6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें- मंदिर में सिर्फ भगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।

7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती:कई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।

8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फधार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।

9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किया गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

10. मूर्तियों को क्रम से लगाएं:ब्रहमा, विष्णु और महेश की मूर्तियों को सही क्रम में लगाएं।

गरुड पुराण के अनुसार बुरे कर्म करने वालों को नर्क में ये मिलती है सजा

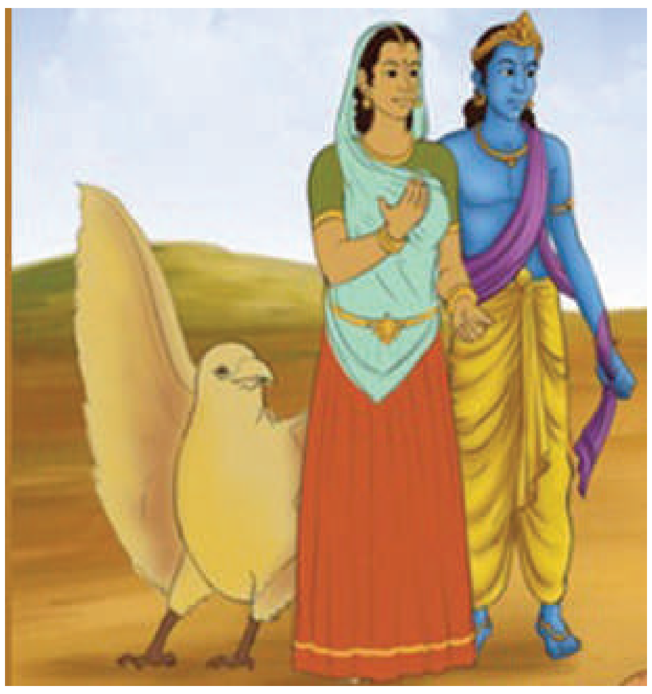

कहतें हैं आदमी जैसा कर्म करता है वैसा ही फल भोगता है इसलिए हर आदमी को अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि जिस तरह जीवन सच है उसी तरह मौत का भी अपना सच है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार जीवन-मरण एक ऐसा चक्र है जो अनवरत चलता हैं द्य परिवार में किसी भी सदस्य की मृत्यु के बाद घर में गरुड पुराण सुनना अनिवार्य है द्य माना गया है इस पुराण की रचना स्वयं ब्रहमा जी ने की हैं। यह सुनना इस लिए अनिवार्य है क्योंकि ये मृत व्यक्ति की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्ति का रास्ता हैं द्य ये मनुष्य के उचित या अनुचित कर्मों का ज्ञान कराकर मनुष्य को धर्म और नीति के अनुसार जीवन जीना सीखाता है। सभी जानते है जो जैसा करता है वो वैसा भरता है द्य चलिए जानते है किस बुरे काम को करने से मिलती है कौन सी सजा जो व्यक्ति दूसरों के धन,स्त्री या पुत्र का अपहरण करता है उसे तमिस्त्र नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य माना गया है कि यमदूत उसे अनेक प्रकार के दंड देते हैं ।'गडा' घोडों को चलाये जाने वाले हथियार से कुचला जाता है द्य जो पुरष किसी के साथ विश्वासघात करता है उसे अन्ध्तामिसरा नामक नरक में यातना भोगनी पडती है द्य उसे नेत्र हीन कर दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति शादी के बाद अपने साथी को धोखा देता है उसे अचेत हालत में नरक कुंडल में डाल दिया जाता है। दूसरों की सम्पति हडपने वालों को जंगली जानवरों से प्रताडित किया जाता है। अपने स्वाद के लिए मासूम जीवों को खाने वाले मनुष्य को इस नरक में गर्म तेल की कढाई में डाला जाता है।

वेदों के बताएं मार्ग का साथ छोडकर पाखंड का साथ देने वाले लोगों को उल्टा लटका के कोडा से मारा जाता है और फिर तेज तलवार से उनके शरीर को छेदा जाता है द्य धर्म के अनुसार न चलने वाले व्यक्ति या फिर किसी व्यक्ति को हानि पहुँचाने वाले व्यक्ति को ईख के सामन कोल्हू की तरह पीसा जाता है द्य दूसरों को जानबुझ के दु:ख पहुचाने वाले व्यक्ति को इस नरक में सर्प और अन्य विषेलें जानवरों द्वारा खून चूसवाया जाता है। जो व्यक्ति जबरन किसी महिला के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता है उसे कोडे से पीट कर गर्म लोहे के खम्बों से आलिंगन कराया जाता है द्य धर्म का पालन ना करने वाले व्यक्ति को मांस, हड्डी, रक्त, चर्बी आदि अपवित्र वस्तुओं से भरी नदी में फेक दिया जाता है द्य मूक जीवों का शिकार करने वाले व्यक्तियों को तीखें बाणों से छेदा जाता है द्य जो व्यक्ति यज्ञ में जानवरों की बलि देता है उसे इस नरक में कोढ से पीटा जाता हैं द्य झूठी गवाही देने वाले व्यक्ति को पर्वत से पथरीली भूमि से फेका जाता है और फिर पत्थरों से झेदा जाता है द्य शराब पीने वाले व्यक्ति को गर्म लोहे की सलाखों से मुहँ को छेदा जाता है। जो व्यक्ति मासूम लोगों को सजा देते है उन्हें सूअर जैसे दाँतों वाले जानवर के मुहँ में डाल दिया जाता है द्य जीवों को पीडा पंहुचाकर आनंद लेने वाले व्यक्ति को शूल चुभाएं जाते है द्य माता-पिता को पीडा पहुचाने वाले व्यक्ति को गर्म तेल में तला जाता है।

सफलता का रहस्य

एक जिज्ञासु व्यक्ति एक प्रसिद्ध चित्रकार व शिल्पकार से मिलने गया। उसने शिल्पकार की कला की खूब सराहना की और उससे पूछा, च्मैं जानने आया हूं कि इस कला में आप इतने निष्णात कैसे हैं। मैं यह रहस्य जानना चाहता हूं। कोई तो ऐसा सिद्धांत या दर्शन होगा, जो आपको यह अनूठा काम करने के लिए प्रेरित करता होगा।

शिल्पकार ने कहा, अगर तुम सचमुच जानना चाहते हो, तो तुम्हें कुछ समय यहीं रुकना पडेगा और जो मैं कहूं वह करना पडेगा। शिल्पकार ने उसे घर का काम करने में लगा दिया- सफाई करना, खाना बनाना, कपडे धोना इत्यादि काम वह चुपचाप हफ्ते भर तक करता रहा। एक हफ्ते बाद चित्रकार उसके पास आया और बोला, च्मुझे लगता है, जो प्रश्न लेकर तुम आए थे, उसका उत्तर मिल गया होगा और शायद मेरा वह दर्शन भी तुम सीख गए होगे। वह व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बोला, च्महोदय, इतने दिनों तक मैं आपके कहने पर यहां रुका रहा और बिना कुछ कहे सारा काम करता रहा, लेकिन मेरी इन कामों में रुचि नहीं है, मुझे तो आपकी कला के बारे में जानना था, जो आपने अभी तक नहीं बताया। शिल्पकार ने कहा, च्तुमने हर काम एक शब्द बोले बिना दत्तचित्त होकर किया न यही तो मेरी कला और सफलता का रहस्य है। मैं तुम्हें यही बताना चाहता था।

कथा मर्म : जो व्यक्ति काम को दत्तचित्त होकर चुपचाप करता है, उसे सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।

रविवार को सूर्यदेव को इस तरह प्रसन्न करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर,
दिवाकर नमस्तुभ्यं, प्रभाकर नमोस्तुते।
सप्ताश्वरथमारूढं प्रचंडं कश्यपात्मजम,
श्वेतपद्मधरं देव तं सूर्यप्रणाम्यहम्म।

सूर्य को सभी ग्रहों का अधिपति माना जाता है। रविवार के दिन सूर्य की आराधना करने से इंसान के सभी कष्ट दूर हो जाते है। हिंदू धर्म के अनुसार रविवार को सूर्य का वार माना गया है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को धन-धान्य और राजयोग की प्राप्ति होती है। ऐसे में रविवार को सूर्यदेव की आराधना करने से निम्न फलों की प्राप्ति होती है इस दिन सूर्य के निमित्त दान-पुण्य करने से बडे से बडा अशुभ योग भी टल जाता है। अगर किसी की कुंडली में गरीबी, निर्धनता का योग हो तो उस व्यक्ति को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। रविवार को सूर्य की विशेष आराधना करने से भाग्य में राजयोग का निर्माण होता है। अगर किसी ने आपके व्यवसाय में टोटका कर दिया है तो उसे दूर करने के लिए रविवार के दिन दोपहर में पांच नींबू काटकर व्यापारिक प्रतिष्ठान में रख दें। इसके साथ एक मुट्ठी काली मिर्च और एक मुट्ठी पीली सरसों रख दें। अगले दिन सुबह दुकान खोलने के बाद इन सभी सामानों को उठाकर किसी सूनसान स्थान पर ले जाकर रख आएं। सभी ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय यदि केवल सूर्य की ही आराधना की जाए और नियमित रूप से सूर्य देव को जल चढाया जाए तो आपका भाग्योदय होने से कोई नहीं रोक सकता है।

अगर आप नियमित रूप से सूर्यदेव को जल अर्पित नहीं कर पाते हैं तो रविवार के दिन सूर्यदेव को जल चढा सकते हैं। रविवार का दिन सूर्य देव को बहुत प्रिय है और रविवार को सूर्यवार भी माना जाता है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से रविवार के दिन सूर्यदेव को जल अर्पित करते हैं तो इसका उतना ही फल मिलता है जितना की प्रत्येक दिन जल चढाने से मिलता है। वहीं जब सूर्य पूर्व दिशा में हो तभी जल चढाना चाहिए क्योंकि पूर्व दिशा को सूर्यदेव के उदय का मार्ग कहा जाता है जो स्वयं शक्ति और जीवन के प्रतीक माने जाते हैं। जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर चल रहा हो या अन्य किसी ग्रह की प्रतिकूलता चल रही हो अथवा कोई सरकारी कामकाज अटका हुआ हो, कार्यस्थल पर अधिकारियों से अनबन चल रही हो अथवा व्यापार सही नहीं चल रहा हो। उन सभी को प्रतिदिन सूर्य को जल चढाने से तुरंत लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त जिन्हें जेल जाने या नौकरी छूटने का डर हो, उन्हें भी सूर्याराधना तुरंत लाभ देती है। सूर्य को जल चढाने के लिए सदैव तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। तांबा भी सूर्य की ही धातु है। जल में चावल, रोली, फूल पत्तियां आदि डाल लेने चाहिए। इसके बाद जल चढाते समय गायत्री मंत्र का जाप करें। गायत्री मंत्र के अतिरिक्त आप भगवान सूर्य के 12 नामों का भी जाप कर सकते हैं ये 12 नाम निम्न प्रकार हैं- सूर्य को अर्ध्य देते समय पानी की जो धारा जमीन पर गिर रही है, उस धारा से सूर्य को देखना चाहिए, इससे आंखों की रोशनी तेज होती है। अर्ध्य देने के बाद जमीन पर गिरे पानी से चरणामृत का पान करें तथा अपने मस्तक पर लगाएं। साथ ही आप सूर्यदेव को अपनी मनोकामना बताएं तथा उनसे इच्छापूर्ति का वरदान देने की प्रार्थना करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।

शिव प्रतिमा होती है आठ तरह की

हिन्दू धर्म में मान्यता है की भगवान शिव इस संसार में आठ रूपों में समाए है जो है शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव। इसी आधार पर धर्मग्रंथों में शिव जी की मूर्तियों को भी आठ प्रकार का बताया गया है । आईए भगवान शिव के इन आठ मूर्ति स्वरुप के बारे में थोडा विस्तार से जानते है।

1. शर्व :- पूरे जगत को धारण करने वाली पृथ्वीमयी मूर्ति के स्वामी शर्व है, इसलिए इसे शिव की शार्वी प्रतिमा भी कहते हैं। सांसारिक नजरिए से शर्व नाम का अर्थ और शुभ प्रभाव भक्तों के हर को कष्टों को हरने वाला बताया गया है।

2. भीम : - शिव की आकाशरूपी मूर्ति है, जो बुरे और तामसी गुणों का नाश कर जगत को राहत देने वाली मानी जाती है। इसके स्वामी भीम है। यह भैमी नाम से प्रसिद्ध है। भीम नाम का अर्थ भयंकर रूप वाले भी हैं, जो उनके भस्म से लिपटी देह, जटाजूटधारी, नागों के हार पहनने से लेकर बाघ की खाल धारण करने या आसन पर बैठने सहित कई तरह से उजागर होता है।

3. उग्र : - वायु रूप में शिव जगत को गति देते हैं और पालन-पोषण भी करते हैं। इसके स्वामी उग्र है, इसलिए यह मूर्ति औग्री के नाम से भी प्रसिद्ध है। उग्र नाम का मतलब बहुत ज्यादा उग्र रूप वाले होना बताया गया है। शिव के तांडव नृत्य में भी यह शक्ति स्वरूप उजागर होता है।

4. भव : - शिव की जल से युक्त मूर्ति पूरे जगत को प्राणशक्ति और जीवन देने वाली है। इसके स्वामी भव है, इसलिए इसे भावी भी कहते हैं। शास्त्रों में भी भव नाम का मतलब पूरे संसार के रूप में ही प्रकट होने वाले देवता बताया गया है।

5. पशुपति : - यह सभी आंखों में बसी होकर सभी आत्माओं की नियंत्रक है। यह पशु यानी दुर्जन वृत्तियों का नाश और उनसे मुक्त करने वाली होती है। इसलिए इसे पशुपति भी कहा जाता है। पशुपति नाम का मतलब पशुओं के स्वामी बताया गया है, जो जगत के जीवों की रक्षा व पालन करते हैं।

6. रुद्र :- यह शिव की अत्यंत ओजस्वी मूर्ति है, जो पूरे जगत के अंदर-बाहर फैली समस्त ऊर्जा व गतिविधियों में स्थित है। इसके स्वामी रूद्र है। इसलिए यह रौद्री नाम से भी जानी जाती है। रुद्र नाम का अर्थ भयानक भी बताया गया है, जिसके जरिए शिव तामसी व दुष्ट प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखते हैं।

7. ईशान : - यह सूर्य रूप में आकाश में चलते हुए जगत को प्रकाशित करती है। शिव की यह दिव्य मूर्ति ईशान कहलाती है। ईशान रूप में शिव ज्ञान व विवेक देने वाले बताए गए हैं।

8. महादेव : - चन्द्र रूप में शिव की यह साक्षात मूर्ति मानी गई है। चन्द्र किरणों को अमृत के समान माना गया है। चन्द्र रूप में शिव की यह मूर्ति महादेव के रूप में प्रसिद्ध है। इस मूर्ति का रूप अन्य से व्यापक है। महादेव नाम का अर्थ देवों के देव होता है। यानी सारे देवताओं में सबसे विलक्षण स्वरूप व शक्तियों के स्वामी शिव ही हैं।

ताली कब और ज़्यों बजाते हैं

आमतौर पर भगवान की स्तुति करने वक्त ताली बजाने का प्रचलन है। सामान्यत: हम किसी भी मंदिर में आरती के समय सभी को ताली बजाते देखते हैं और हम खुद भी ताली बजाना शुरू कर देते हैं। ऐसे कई मौके होते हैं जहां ताली बजाई जाती है। किसी समारोह में, स्कूल में, घर में आदि स्थानों पर जब भी कोई खुशी और उत्साह वाली बात होती है हम उसका ताली बजाकर अभिवादन करते हैं लेकिन ताली बजाते क्यों हैं।

काफी पुराने समय से ही ताली बजाने का प्रचलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म के समय ताली बजाई जाती है। ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर-जोर से ताली बजाने से कुछ ही देर में पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो जाती है। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहते हैं।

ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पडता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढता है। जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्यूप्रेशर पद्धति में ताली बजाना बहुत अधिक लाभदायक माना गया है। इन्हीं कारणों से ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के बहुत लाभदायक है। हिंदू धर्म में आरती के दौरान ताली बजाना(कर्तल ध्वनि) एक स्वाभाविक क्रिया मानी जाती है। मंदिर हो या कोई अन्य पूजा स्थल, जहां भी आरती संपन्न हो रही होती है वहां पर श्रद्धालु आदतन ताली अवश्य बजाते हैं। प्राय: किसी उत्सव, जन्मदिन या संत समागम के दौरान भी हर्षोल्लास के साथ कर्तल ध्वनि पैदा की जाती है। आमजन किसी के उत्साहवर्धन के लिए भी ताली का प्रयोग करते हैं।

केवल आरती के दौरान ही बजानी चाहिए ताली सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार केवल आरती के मध्य ही कर्तल ध्वनि उत्पन्न करना उपयुक्त पद्धति है। ऐसे श्रद्धालु जो अभी ध्यान की आरंभिक अवस्था में हैं, वह ताली को एक निश्चित क्रम में सहज भाव से बजाएं ताकि कर्ण प्रिय ध्वनि उत्पन्न हो तथा आरती के साथ उसका बेहतर संयोजन हो सके। किंतु ध्यान की उच्चतर अवस्था में अवस्थित श्रद्धालु ताली के स्थान पर सामने की ओर देखते हुए नेत्रों की अर्धनिमीलित स्थिति में आत्मनिमग्न हों तो ज्यादा अच्छा माना जाता है।

यह व्रत कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहते हैं। कामदा एकादशी भगवान श्री विष्णु का उत्तम व्रत कहा गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार कामदा एकादशी व्रत के पुण्य से जीवात्मा को पाप से मुक्ति मिलती है। यह एकादशी कष्टों का निवारण करने वाली और मनोवांछित फल देने वाली होने के कारण फलदा और कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है।

इस एकादशी की कथा व महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने पाण्डु पुत्र धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इससे पूर्व राजा दिलीप को यह महत्व वशिष्ठ मुनि ने बताया था। कामदा एकादशी का व्रत इस प्रकार करना चाहिए-

व्रत विधि: कामदा एकादशी के दिन स्नान आादि से पवित्र होने के पश्चात संकल्प करके भगवान श्री विष्णु के विग्रह का पूजन करें। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत आदि पदार्थ अर्पित करें। आठों प्रहर निर्जल (बिना पानी पिए) रहकर विष्णु जी के नाम का स्मरण एवं कीर्तन करें। एकादशी व्रत में ब्राहमण भोजन एवं दक्षिणा का बडा ही महत्व है अत: द्वादशी के दिन ब्राहमण को भोजन करवाकर दक्षिणा सहित विदा करने के पश्चात ही भोजन ग्रहण करें। इस प्रकार जो चैत्र शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी का व्रत रखता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

कैसा हो जीवनसाथी

HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

> सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुत: यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

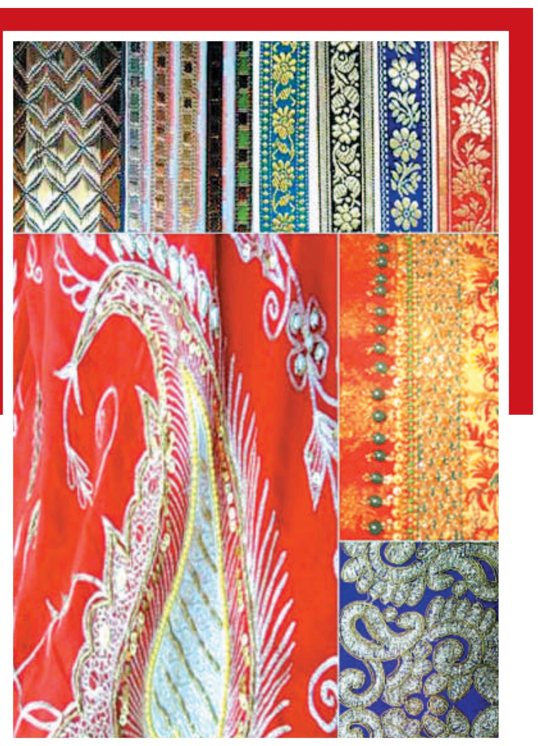

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दो पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य: राम व विष्णु
चंद्र: शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल: हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध: गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति: विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र: परशुराम, लक्ष्मी
शनि: भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु: सरस्वती, शेषनाग
केतु: गणेश व मत्स्य

वास्तु: दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जो का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

संपादकीय

आर्थिक आपातकाल के आसार

क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या आर्थिक आपातकाल के आसार हैं और भारत सरकार कुछ कड़े और बड़े फैसले ले सकती है? क्या कुछ पाबंदियां भी चस्पां की जा सकती हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? हमने प्रधानमंत्री की अपील और हिदायतों का विश्लेषण किया था। उसका दूसरा पक्ष यह है कि देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं-रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक-ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं। यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। ईरान युद्ध की शुरुआत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 720 अरब डॉलर का था, लेकिन युद्ध के करीब 75 दिन के बाद यह भंडार घट कर 690 अरब डॉलर हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उन खर्चों को कम करने की अपील की है, जिनमें डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। करीब 80 फीसदी कच्चे तेल और 70 फीसदी से अधिक सोने के आयात डॉलर में ही किए जाते हैं। डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' ने 95.28 तक की ऐतिहासिक गिरावट ने संकट को गहरा दिया है। इस समय 'रुपया' दुनिया की दूसरी सबसे कमजोर मुद्रा है, जिसमें 12 फीसदी अवमूल्यन हुआ है। प्रधानमंत्री ने एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है, लेकिन भारत सरकार ने विदेशों से 168 टन सोना खरीदा है। अब भारत के पास सोने का कुल भंडार 880 टन का है। इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जोड़ कर आंका जा रहा है। दरअसल हमारा बुनियादी सवाल सरकारी व्यवस्था और नेताओं की जमात से है। देश में प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आम अति विशिष्ट चेहरे भी लंबे-चौड़े काफिलों के साथ चलते हैं। यदि वाकई संकट के हालात हैं, तो मुख्यमंत्री और मंत्री सरकारी हेलीकॉप्टर पर सवार क्यों रहते हैं? क्या हवाई उड़ानें 'पानी' से चलती हैं? हमारे जन-प्रतिनिधि रेलगाड़ी के विशेष कक्ष में सफर क्यों नहीं कर सकते? यदि सार्वजनिक परिवहन नेताओं के लिए 'असुरक्षित' हैं, तो रेलवे में असंख्य यात्रियों की सुरक्षा दांव पर क्यों लगा रखी है? हम प्रधानमंत्री को अपवाद के तौर पर छोड़ देते हैं, क्योंकि वह देशहित में, देश के लिए ही, सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी के तौर पर 'विशेष वाहन' का इस्तेमाल करते हैं और अब मई में ही 5 देशों की यात्रा पर जाएंगे, लेकिन हम प्रधानमंत्री के 'रोड शो' पर सवाल और आपत्ति जरूर करेंगे। हमारा राजनीतिक नेतृत्व पहल करे, बचत के नए आयाम स्थापित करे, आम जन-प्रतिनिधि बने, तो यह देश भी उसका अनुसरण करेगा। दरअसल युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा-संकट दुनिया भर में है। कच्चा तेल महंगा मिलने के कारण भारत को हररोज 1619 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। आयात बिल में खाद्य तेल पर 1.86 लाख करोड़ और खाद पर 1.38 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार में यूरिया, डीएपी की कीमतें दोगुनी बढ़ा दी गई हैं। इसके अलावा, सरकार को खाद पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ रही है। नतीजतन बुनियादी ढांचे और विकास पर किया जाने वाला पूंजीगत खर्च कम करना पड़ रहा है। चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। तमाम आयातों पर विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यह 'अकाल' हम 1990-92 के दौर में झेल चुके हैं, जब देश का 67 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? हमने प्रधानमंत्री की अपील और हिदायतों का विश्लेषण किया था। उसका दूसरा पक्ष यह है कि देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं–रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक–ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं। यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके।

कुछ अलग

मेरी मिसेज को सफल बनाएं

हे मेरे मोहल्ले के जागरूक वोटरो! आपको यह जानकर हर्ष होगा कि मोहल्ला विकास समिति के चुनावी अखाड़े में इस बार मेरे बदले मेरी मिसेज को आपकी सेवा करने का हाईकमान से टिकट मिला है। इसलिए अबकी बार मेरे बदले वह वादों, आश्वासनों का पिटारा ले आपको रिझाने आ रही है। इसके लिए आपको बहुत बहुत बधाई! पार्टी हाईकमान के आदेशानुसार पिछले चुनाव में मैं आपकी सेवा में हाजिर हुआ था। आपकी सेवा करते करते आपसे अपनी सेवा करवाते करवाते कब पांच साल गुजर गए, पता ही न चला। अबके मोहल्ला विकास समिति के चुनाव में मोहल्ले की ये सीट महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित होने के चलते मैं लाख आपकी सेवा को छटपटाते हुए भी आपकी सेवा के लिए चुनाव नहीं लड़ सकता। इसके लिए मैं आपसे दोनों हाथ जोड़ क्षमाप्रार्थी हूं। असल में हमारे मोहल्ला विकास समिति के दूसरे सदस्य मेरे द्वारा आपके विकास के नाम पर अपने विकास को होते देख मुझसे जल रहे थे। इसलिए उन्होंने मोहल्ला विकास समिति की यह सीट महिला के लिए आरक्षित करवा दी। पर मैं भी चुप कहां बैठने वाला था? वह जनसेवक ही क्या जो जनसेवा के टिकट को लेकर चुप बैठे? एक सच्चा जनसेवक हर टिकट को लेकर चुप बैठ सकता है, पर चुनाव लडऩे के टिकट को लेकर कभी नहीं। ज्यों ही हाईकमान ने मेरी वाली सीट महिला को आरक्षित की तो मैंने बिन एक पल गंवाए अपनी मिसेज की दावेदारी इस सीट पर ठोंक दी। मैंने सोचा, मैं न सही तो न सही। मेरे पास इस सीट की सबकी मिसेजों में सबसे सशक्त उम्मीदवार मेरी मिसेज है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस-15 मई, 2026

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच।

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है। आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं।

वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे "अहिंसा की प्रयोगशाला" बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है।

क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

देश दुनिया से

'वसुधैव कुटुंबकम' से बिखरता परिवार

उम्र गुजर गई इंतजार में, अब तो आंखें भी थक गईं...बेटा आया तो बस रुपया छोड़ा, दिल नहीं छुआ कभी।' 15 मई को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिवेश में परिवार संस्था की वास्तविक स्थिति पर गंभीर चिंतन का दिन है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1993 में घोषित यह दिवस सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के प्रभाव को समझने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2026 की थीम 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' यह स्पष्ट करती है कि परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि समाज की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक इकाई है, जहां व्यक्ति प्रेम, सुरक्षा, संस्कार और आत्मीयता का अनुभव करता है। भारतीय संस्कृति में परिवार सदैव जीवन का केंद्र रहा है। यहां परिवार केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, मामा-मौसी सहित बहुपीढ़ीय संयुक्त परिवार की परंपरा ने भारतीय समाज को मजबूती प्रदान की। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना इसी पारिवारिक दृष्टि का विस्तार थी, जिसमें संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया। 'मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः' जैसे आदर्श केवल धार्मिक वाक्य नहीं थे, बल्कि सामाजिक जीवन की आत्मा थे। परिवार बच्चों को संस्कार देता था, बुजुर्गों को सम्मान देता था और समाज को स्थिरता प्रदान करता था। एक समय था जब घर के आंगन में दादा-दादी की कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम बनती थीं। त्योहार केवल औपचारिक आयोजन नहीं होते थे, बल्कि परिवार को जोडऩे वाले सांस्कृतिक अवसर होते थे। भोजन एक साथ बैठकर किया जाता था और परिवार के छोटे-बड़े निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते थे। उस समय परिवार में 'मैं' नहीं, 'हम' की भावना प्रमुख थी। आज यही भावना धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। आधुनिकता, तीव्र शहरीकरण, भौतिकवाद और आभासी दुनिया के विस्तार ने परिवार की पारंपरिक संरचना

को गहराई से प्रभावित किया है। गांव और शहर की पारिवारिक स्थिति में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सामाजिक जुड़ाव और सामूहिकता का भाव किसी हद तक विद्यमान है, जबकि महानगरों में जीवन की व्यस्तता और व्यक्तिवादी सोच ने परिवार को केवल आर्थिक व्यवस्था तक सीमित कर दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। आज परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। भोजन की मेज पर बातचीत की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है। पहले शाम का समय परिवार के साथ बिताया जाता था, अब वही समय अलग-अलग कमरों में स्क्रीन के सामने बीतता है। बच्चों का बचपन आभासी दुनिया में सिमट रहा है और बुजुर्ग अपने ही घरों में उपेक्षित महसूस करने लगे हैं। तकनीक ने सुविधा तो दी है, पर रिश्तों की आत्मीयता कम कर दी है। सबसे अधिक प्रभावित यदि कोई वर्ग हुआ है, तो वह बुजुर्गों का है। पहले बुजुर्ग परिवार की धुरी माने जाते थे। उनके अनुभव को सम्मान मिलता था और परिवार के निर्णयों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। आज अनेक बुजुर्ग अकेलेपन और भावनात्मक उपेक्षा का जीवन जीने को विवश हैं। कई बार बच्चे आर्थिक सहायता तो भेज देते हैं, लेकिन समय और अपनापन नहीं दे पाते। वृद्धावस्था में व्यक्ति को केवल दवा और धन की नहीं, बल्कि संवाद, सम्मान और साथ की आवश्यकता होती है। समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम की 'सामूहिक चेतना' की अवधारणा आज अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होती है। जब समाज में सामूहिक बंधन कमजोर होते हैं, तब व्यक्ति अकेलेपन और असुरक्षा का शिकार हो जाता है। वर्तमान भारतीय समाज में यही स्थिति दिखाई देती है। परिवारों के भीतर भावनात्मक दूरी बढ़ रही है और व्यक्ति मानसिक तनाव, अवसाद तथा सामाजिक अलगाव का सामना कर रहा है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार अगस्त 2025 तक देश में लगभग 696 वरिष्ठ नागरिक गृह विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित हो रहे थे। इसके अतिरिक्त अनेक निजी, धार्मिक और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा भी बड़ी संख्या में वृद्धाश्रम चलाए जा रहे हैं। पिछले वर्षों में इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक ढांचे का संकेत है। जिस देश में कभी माता-पिता को ईश्वर के समान माना जाता था, वहां वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती है। भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या लगभग 14 से 15 करोड़ तक पहुंच चुकी है और वर्ष 2050 तक इसके दोगुने से अधिक होने की संभावना है। यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन परिवार व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। रोजगार, पलायन और बेहतर अवसरों की तलाश में युवा महानगरों या विदेशों की ओर जा रहे हैं। परिणामस्वरूप गांवों और छोटे शहरों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। आर्थिक सहायता तो पहुंच जाती है, लेकिन भावनात्मक सहारा धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। यह समस्या केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं है। उच्च शिक्षित और प्रतिष्ठित नौकरियों में कार्यरत संतानों द्वारा भी माता-पिता की उपेक्षा के अनेक उदाहरण सामने आए हैं।

दृष्टि कोण

सैन्य सेवा का अलहदा ढांचा और प्रतिज्ञा की पूर्णता

सिविल कर्मचारी और सैनिक, गणतंत्र को स्थिरता देने में जुड़वां स्तंभ हैं। एक निरंतरता एवं प्रशासनिक दृढ़ता के माध्यम से काम करता है; तो दूसरा तीव्रता और अस्तित्वगत जोखिम के जरिए। दोनों ही अपरिहार्य हैं। दोनों ऐसे ढांचे के हकदार हैं जो परिलक्षित करता हो कि उन्हें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है। इनके बीच अंतर का जवाब पदानुक्रम में नहीं है। मसला गढ़ी गई एक रूपरेखा है। सेना के लिए कोई भी ढांचा एक मूलभूत वास्तविकता से शुरू होना चाहिए: सशस्त्र बलों के पद, नागरिक प्रणालियों के ओहदों से मूलतः भिन्न होते हैं। नागरिक जीवन में, पदानुक्रम काफी हद तक वरिष्ठता और प्रशासनिक तरक्की पाने का पैमाना होता है। जबकि सैन्य जगत में, यह जीवन एवं परिणाम पर परिचालन प्राधिकरण द्वारा तय होता है। एक प्रशासनिक त्रुटि से पैसे का नुकसान या देरी हो सकती है; लेकिन कमान में हुई त्रुटि से जानें और इलाका गंवाना पड़ सकता है। सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाले एक ब्रिगेडियर के पास, एक कर्नल की तुलना में केवल अधिक वरिष्ठता ही नहीं होती बल्कि उसको परिणामों का एक बिल्कुल अलग और कहीं अधिक भारी बोझ भी उठाना पड़ सकता है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है क्योंकि सैन्य पदानुक्रम संरचना को समझ-बूझकर पिरामिड की तरह शीर्ष पर संकरा होता बनाया गया है। युद्ध के मैदान में सबसे आगे रहने वालों के लिए युवावस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, संरचनात्मक रूप से फौज युवा बनी रहनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहुत कम संख्या में अफसर उच्चतर पदों तक पहुंच पाएं। यह कोई विफलता न होकर कमान संरचना का गणित है। लेकिन इस गणित के परिणाम बहुत गहरे होते हैं। अधिकांश अधिकारी, चाहे वे कितने भी सक्षम क्यों न हों, कुछ निश्चित ओहदों से ऊपर कभी नहीं जा पाते। इसलिए, यह संस्था केवल उन लोगों द्वारा ही नहीं चलती जो शीर्ष तक पहुंचते हैं, बल्कि उन लोगों द्वारा भी परिचालित होती है, जो उस जगह बने रहते हैं जहां पर प्रणाली को

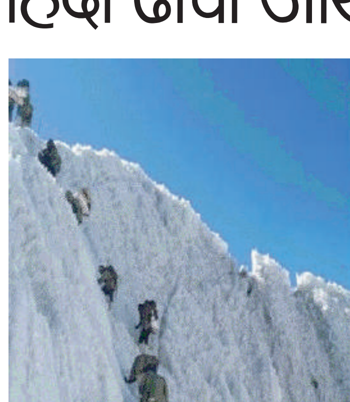

उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है-मेजर और लेफ्टिनेंट कर्नल, कंपनी कमांडर और बटालियन के उप-कमान अधिकारी- वे अफसर हैं जो सेना का परिचालन भार ठीक उसी स्तर पर उठाते हैं जहां वे कमानगत पद परिणाम देने में सबसे मुफीद होते हैं। लेकिन जब इस समूह में आते अधिकारी अपने पद के भीतर कोई अर्थपूर्ण प्रगति होते नहीं देखते, रुतबे की एकमात्र दिखाई देने वाली पहचान (उच्चतर पद) पिरामिड की संरचना के मुताबिक जब उनमें से अधिकांश को नहीं मिल पाती, तब धीरे-धीरे कुछ कमजोर पड़ने लगता है। उनकी सक्षमता नहीं, न ही साहस। परंतु निश्चित तौर पर संस्था उन्हें अभी भी पहले जैसा ही देखती है। और फिर कई लोग सेना छोड़ देते हैं। विरोध में नहीं। बल्कि इसलिए, क्योंकि नागरिक जगत ने यह पहचानना सीख लिया है कि सैन्य सेवा ने उन लोगों के भीतर किन गुणों को पैदा किया है। दबाव वाली परिस्थिति में भी शांतचित्त रहना, निर्णय क्षमता व अनिश्चितता के बावजूद नेतृत्व का गुण होना और नागरिक जगत उन्हें एक ऐसा ढांचा मुहैया करता है जहां इन गुणों का यथोचित मोल पड़ता है। उस क्षण, राष्ट्र अपना सबसे कमजोर उत्पाद नहीं खोता, बल्कि बेहतरीन ढले (प्रशिक्षित) अपने लोगों में से कुछ को। यही कारण है कि 'पद श्रेणी के भीतर तरक्की' का मामला महज दिखावटी मुद्दा नहीं। यह विसंगति की जड़ संस्थागत रूपरेखा में है। ज़िम्मेदारी, पेशेवर विशिष्टता, नियुक्ति पात्रता और पद-श्रेणी के भीतर दिखाई देने वाला रुतबा तब भी बना रहना चाहिए, जब तरक्की संभव न हो।

आप का नज़रिया

एंटी चिट्टा टेस्ट

चिट्टे पर व्यवस्था के प्रहार और लेखा-जोखा पेश करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का यह फैसला काबिले तारीफ है कि आइंदा भर्ती परीक्षाओं में चयनित प्रत्याशियों के लिए एंटी चिट्टा टेस्ट भी अनिवार्य होगा। यानी अब खून बताएगा कि रगों में क्या है, वरना दौड़ रहे थे हम सिर्फ जमीन पर। इसमें दो राय नहीं कि प्रदेश की सभ्यता, संस्कृति, मान-सम्मान और सामाजिक परंपराएं धीरे-धीरे चिट्टे की कैद में हैं। हाल यह है कि लड़कियों के लिए भी अलग से नशा मुक्त केंद्र खोलने की जरूरत पड़ गई। जिस पुलिस के दम पर चिट्टे पर निगरानी रही, वहां पुलिस कर्मियों सहित कई सरकारी कर्मचारी ही इस आफत के शिखंडी निकले और हालत यह कि 31 कर्मचारी बर्खास्त हो चुके हैं। चिट्टे की दुकान खोले करीब 90 कर्मचारी अब इसी फेहरिस्त में जुड़ कर बर्खास्त हो जाएंगे। चिट्टा केवल एक कानूनी पहलू नहीं, बल्कि इसकी जद में रिश्ते-नाते और सामाजिक ताने-बाने भी नष्ट हो रहे हैं। विडंबना यह है कि हिमाचल चारों तरफ से हो रही चिट्टे की आपूर्ति का शिकार हो जाता है। एक सीमा तक इस व्याधि के निवारण के लिए पुलिस निगरानी के पहरे सहायक हो सकते हैं, लेकिन यहां सामाजिक निगाहों से इल्तिजा है कि अपने परिवेश में घटित हर मामले को देखे। हिमाचल में चिट्टा विक्रेताओं और इसके ग्राहकों के बीच एक लंबी शृंखला है, जो चौबीस घंटे नित नए प्रयास करती है। अभी कुछ दिन पहले एक जीजा ने अपने नाबालिग साले के कंधे पर चिट्टे की आपूर्ति टांग कर बता दिया था कि इस सौदे में कोई नहीं बचेगा। यही सौदा पुलिस से उसकी वफादारी, सरकारी कामकाज से उसकी ईमानदारी छीन रहा है, तो यहां केवल दुकान नहीं, ग्राहक का नाता भी तोडऩा पड़ेगा। सरकार अपनी छानबीन की चादर फैला कर समाज से अरदास कर रही है कि वह भी अपनी भागीदारी का दान करे। कमोबेश हर गांव से शहर तक और हर गली से शिक्षण संस्थान तक चिट्टे के सरगना घूम रहे हैं और इनके बचाव में स्वयं ग्राहक छतरी लेकर खड़े हैं। बहरहाल सरकार ने अपनी चौकसी तो बढ़ाई है, और साथ ही साथ नए पैमानों की आजमाइश छात्र जीवन तक पहुंचाई है। बेशक चिट्टे के साथ आधुनिक जीवन की विसंगतियां, भौतिक संसार का अवमूल्यन, युवा भविष्य की चिंताएं और आगे बढऩे की बाधाएं भी जुड़ी हैं, तो कुछ सफर तो परीक्षाओं में गुजर जाएंगे, लेकिन जहां ठहराव आएगा, वहां पहल चाहिए। बदलने पड़ेंगे शिक्षा के मजमून, आर्थिक संरचना के उसूल और नए सौहार्द के रास्तों पर सह अस्तित्व को करना पड़ेगा कबूल। दरअसल भटके हुए समाज से हम भटके हुए युवाओं को नहीं बचा सकते, इसके लिए नया आगाज-नया वातावरण चाहिए। जीवन के कुछ पीरियड तो शिक्षण संस्थानों में कट जाएंगे, लेकिन घरेलू मजबूरियां और सामाजिक ताने-बाने को फिर से पढऩा पड़ेगा। यह दीगर है कि व्यवस्था के तरीके से समाधान आसान हो जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण पक्ष तो कानून-व्यवस्था से ही जुड़ता है। निगरानी तो उन वाहनों पर जरूरी है जो गेडियां मारते हुए डराते हैं। कोई पर्यटक के रूप में छाती में चिट्टा बंधे चला है, तो कोई मरीज बन कर ईलाज का मुलम्मा बांधे नशे के व्यापार का आदी हो चुका है। सिर्फ पुडिया चंद ग्राम की ताकि मालूम यह हो कि शुरुआत छोटी और नादान सी है, मगर ये जो ग्रामों में पुडिया पकड़ी जा रही है, मानवीय सभ्यता से बड़ा इंतकाम ले रही है। सरकार कोई बड़ी चारदीवारी तो नहीं बना सकती, लेकिन पुलिस बंदोबस्त की रोटेशन चाहिए। मोबाइल टुकडिय़ों के जरिए एक बड़े एरिया की खाक छाननी पड़ेगी। कम से कम सारे बार्डर एरिया पर ऐसी निगरानी का प्रबंध होना चाहिए जो चिट्टे की सारी खुराफात छान दे। अब वक्त आ गया है कि शिमला में बैठे पुलिस के ओहदेदार हाकिमों को कार्यालय के साथ सीमांत इलाकों में भेजा जाए ताकि पांवटा साहिब से जसूर तक की पट्टी में कोई पंछी भी पर न मार सके।

चिट्टा केवल एक कानूनी पहलू नहीं, बल्कि इसकी जद में रिश्ते-नाते और सामाजिक ताने-बाने भी नष्ट हो रहे हैं। विडंबना यह है कि हिमाचल चारों तरफ से हो रही चिट्टे की आपूर्ति का शिकार हो जाता है। एक सीमा तक इस व्याधि के निवारण के लिए पुलिस निगरानी के पहरे सहायक हो सकते हैं, लेकिन यहां सामाजिक निगाहों से इल्तिजा है कि अपने परिवेश में घटित हर मामले को देखे। हिमाचल में चिट्टा विक्रेताओं और इसके ग्राहकों के बीच एक लंबी शृंखला है, जो चौबीस घंटे नित नए प्रयास करती है। अभी कुछ दिन पहले एक जीजा ने अपने नाबालिग साले के कंधे पर चिट्टे की आपूर्ति टांग कर बता दिया था कि इस सौदे में कोई नहीं बचेगा। यही सौदा पुलिस से उसकी वफादारी, सरकारी कामकाज से उसकी ईमानदारी छीन रहा है, तो यहां केवल दुकान नहीं, ग्राहक का नाता भी तोडऩा पड़ेगा। सरकार अपनी छानबीन की चादर फैला कर समाज से अरदास कर रही है कि वह भी अपनी भागीदारी का दान करे। कमोबेश हर गांव से शहर तक और हर गली से शिक्षण संस्थान तक चिट्टे के सरगना घूम रहे हैं और इनके बचाव में स्वयं ग्राहक छतरी लेकर खड़े हैं। बहरहाल सरकार ने अपनी चौकसी तो बढ़ाई है, और साथ ही साथ नए पैमानों की आजमाइश छात्र जीवन तक पहुंचाई है।

दो डक के बाद विराट कोहली का बल्ला गरजा सेंचुरी के साथ 14 हजार रन भी पूरे किए

रायपुर: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ लाजवाब बैटिंग की। विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का 9वां शतक लगाया। वहीं टी20 में उनके अब 10 शतक हो गए हैं। विराट कोहली ने महज 58 गेंद पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और 3 छक्के लगाए। बता दें कि इस मैच से पहले विराट कोहली लगातार 2 मैचों में डक पर आउट हुए थे।

37 साल के विराट कोहली ने एक बड़ा कारनामा भी किया है। वह टी20 में 14000 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं कुल मिलाकर दुनिया में वह छठे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टी20 फॉर्मेट में 14000 रन बनाए हों। विराट कोहली से पहले 14000 टी20 रन क्रिस गेस, कायरन पोलार्ड, एलिक्स हेल्स, डेविड वॉर्नर और जोस बटलर ने बना रखे हैं।

विराट कोहली ने 12वीं बार एक आईपीएल सीजन में बनाए 400 रन

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने आईपीएल के एक सीजन में 12वीं बार 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनसे ज्यादा बार यह कारनामा किसी और बल्लेबाज ने नहीं किया। उनके बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर संयुक्त रूप से डेविड वॉर्नर और सुरेश रैना हैं। दोनों ने 9-9 बार आईपीएल के एक सीजन में 400 से ज्यादा रन बना रखे हैं।

रिंकू सिंह की मां और बहन से मिले विराट कोहली, क्रिकेटर ने शेयर की खास स्टोरी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 57वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच आज यानी 13 मई को रायपुर में खेला जाएगा। इस मैच से पहले विराट कोहली भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मां और बहन से मिले। बता दें कि आईपीएल में रिंकू सिंह लंबे समय से कोलकाता नाइटराइडर्स का हिस्सा हैं। रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विराट कोहली के साथ अपनी और मां की फोटो शेयर की है। नेहा की पोस्ट को रिंकू सिंह ने अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम पेज की स्टोरी पर शेयर किया है।

रिंकू सिंह का आईपीएल करियर

28 साल के रिंकू सिंह 2018 से आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए ही खेल रहे हैं। जब से अब तक उन्होंने कुल 69 आईपीएल मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 145.2 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1336 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से आईपीएल में 6 अर्धशतक देखने को मिले हैं। 2023 के आईपीएल सीजन में रिंकू ने यश दयाल की 5 गेंद पर 5 छक्के लगाकर आखिरी ओवर में केकेआर को मैच जिताया था। वहां से उनको एक नई पहचान मिली। उसके बाद रिंकू को भारत के लिए खेलने का भी मौका मिला। रिंकू ने भारत के लिए 2 वनडे और 45 टी20 मैच भी खेल रखे हैं।

पहला कालम

टीम इंडिया के रोडमैप के लिए बीसीसीआई की मीटिंग, बुमराह और शमी पर हो सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। 31 मई को लीग का फाइनल होना है। उसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरूआत होगी। 6 जून से भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। माना जा रहा है कि आईपीएल के खत्म होने से पहले ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट के लिए भारतीय टीम का चयन हो जाएगा। इसके साथ ही चयन पर बीसीसीआई एक बैठक करने वाली है। इसमें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने बीसीसीआई के साथ अगले कुछ महीनों के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए एक बैठक तय की है। यह चयन बैठक अगले 7-10 दिनों के भीतर हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तेज गेंदबाजों के पूल को अंतिम रूप देना बोर्ड के एजेंडे में सबसे ऊपर है। इसमें शामिल गेंदबाजों को आईपीएल के बचे हुए मैचों में वर्कलोड बढ़ाने के लिए कहा जा सकता है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'चयनकर्ता सिर्फ इसलिए टेस्ट टीम की क्वालिटी से समझौता करने में विश्वास नहीं रखते कि भारत अफगानिस्तान के खिलाफ खेल रहा है। वे चाहते हैं कि बेस्ट टीम ही मैदान पर उतरे। वे टेस्ट कैप इतनी आसानी से बांटना नहीं चाहते। सिराज की वर्कलोड सहन करने की क्षमता बहुत अधिक है। प्रसिद्ध ने 24 अप्रैल के बाद से कोई आईपीएल मैच नहीं खेला है। नीतीश कुमार रेड्डी को भी एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, जो सीम-बॉलिंग विभाग में योगदान दे सकते है। वर्कलोड मैनेजमेंट की बात आती है, तो बीसीसीआई सभी डेटा पॉइंट्स पर नजर रखती है।' अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में बीसीसीआई हल्के में नहीं लेना चाहती। अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार के साथ ही जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में जगह मिलने का दावेदार माना जा रहा है। माना जा रहा है कि जसप्रीत बुमराह का भी चयन किया जा सकता है। वहीं एक साल से ज्यादा समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी को इस बार भी जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

आईपीएल 2026: कोहली ने रोहित और धोनी को पछाड़ा

रायपुर। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में उतरे। यह विराट कोहली के आईपीएल करियर का 279वां मुकाबला है। 2008 में विराट ने आरसीबी के लिए आईपीएल डेब्यू किया था। तब से वह इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

विराट ने धोनी और रोहित को पछाड़ा

आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड सीएसके महेंद्र सिंह धोनी के नाम था। उनके बाद मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और फिर विराट कोहली थी। इंजरी की वजह से धोनी अभी तक इस सीजन में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। रोहित शर्मा भी हैमस्ट्रिंग की इंजरी के कारण 5 मैचों में बाहर बैठे। इसकी वजह से विराट कोहली दोनों से आगे निकल गए। रोहित और धोनी के अभी 278-278 मैच हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी

विराट कोहली- 279 मैच
एमएस धोनी- 278 मैच
रोहित शर्मा- 278 मैच
रविंद्र जडेजा- 265 मैच
दिनेश कार्तिक- 257 मैच

विराट सबसे सफल बल्लेबाज भी

विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इसी सीजन उन्होंने अपने 9000 रन पूरे किए। लिस्ट में दूसरे नंबर के रोहित शर्मा के 7289 रन हैं। यह दिखाता है कि विराट कोहली का आईपीएल में डॉमिनेंस कैसा है। वह एक सीजन में सबसे ज्यादा 974 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। लीग में सबसे ज्यादा शतक और अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी विराट कोहली के नाम ही दर्ज है।

विराट ने सिर्फ 4 मैच नहीं खेले

आरसीबी का आईपीएल केकेआर के खिलाफ मुकाबला 283वां मैच है। विराट कोहली ने लीग में अपनी टीम के लिए सिर्फ 4 मैच नहीं खेले हैं। 2008 के पहले सीजन में वह एक मैच नहीं खेले थे। 2017 में इंजरी की वजह से तीन मैचों में विराट को बाहर बैठना पड़ा था।

आईपीएल 2026 | इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ के लिए रेस और भी ज्यादा रोमांचक हो गई है।

10 दिन, 8 टीमें और 4 स्पॉट, रोचक हुई प्लेऑफ की रेस, कुछ भी हो सकता है, समझें समीकरण

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के सही समय पर फॉर्म में लौटने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग प्लेआफ के चार स्थानों के लिये अब आठ टीमें दौड़ में हैं जबकि लीग चरण के दस दिन बाकी हैं। गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस का प्लेआफ में पहुंचना तय लग रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद ने भी धीमी शुरूआत के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन सबसे हैरानी की बात पंजाब किंग्स का अचानक खराब प्रदर्शन है। अच्छी शुरूआत के बाद टीम लगातार चार मैच हार चुकी है। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स बाहर हो चुके हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु:

रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम ने उस निरंतरता को बरकरार रखा है जिसके दम पर उसने पिछले साल पहली बार आईपीएल खिताब जीता था। अब बुधवार को उसका सामना केकेआर से है जिसे जीतने पर उसकी प्लेआफ में जगह लगभग पक्की हो जायेगी। अब तक 11 मैचों में 14 अंक ले चुकी आरसीबी का नेट रनरेट सबसे बेहतर है । केकेआर के बाद उसे पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है।

पंजाब किंग्स:

खराब गेंदबाजी और फील्डिंग से पंजाब को लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है लेकिन आईपीएल के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम अभी भी अंतिम चार में है। उसका नेट रनरेट भी ठीक है। अब उसे मुंबई इंडियंस, आरसीबी और सनराइजर्स के खिलाफ बाकी तीन में से दो मैच जीतने होंगे । उसके 11 मैचों में 13 अंक है और धर्मशाला में मुंबई के खिलाफ मैच हर हालत में जीतना होगा।

गुजरात टाइटंस:

चार साल पहले पदार्पण के बाद से गुजरात सिर्फ एक बार प्लेआफ में नहीं पहुंची है। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और शीर्ष तीन बल्लेबाजों के फॉर्म के दम पर शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम शीर्ष दो में जगह बनाने की दावेदार है। गुजरात के 12 मैचों में 16 अंक है और आखिरी दो मैच केकेआर तथा चेन्नई सुपर किंग्स से खेलने हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद:

पिछले आठ मैचों में छह जीत के बाद सनराइजर्स सही समय पर फॉर्म में लौटी है। बल्लेबाजों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है और गेंदबाज भी पीछे नहीं रहे हैं। सनराइजर्स के 14 अंक है और अगले दो मैचों में उसे चेन्नई और आरसीबी से खेलना है। उसे प्लेआफ में पहुंचने के लिये कम से कम दो अंक और बनाने होंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स:

पहले तीन मैच हारने के बाद चेन्नई ने पिछले आठ में से छह मैच जीते हैं । उसे 15 मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ दो अंक लेने होंगे जिसके बाद सनराइजर्स और गुजरात से आखिरी दो मैच खेलने हैं । अगले दस दिन में चेन्नई को तीनों मैच जीतने होंगे क्योंकि इस बार 18 अंक प्लेआफ क्वालीफिकेशन की गारंटी लग रहे हैं ।

कोलकाता नाइटराइडर्स:

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली टीम पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी लेकिन लगातार छह हार के बाद पिछले चार मैच जीतकर ढर्रे पर लौटी। उसके पास दूसरी टीमों से एक मैच अधिक है और अधिकतम 17 अंक मिल सकते हैं। केकेआर को आखिरी तीनों मैच ईडन गार्डंस पर खेलने हैं।

राजस्थान रॉयल्स:

वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के शानदार प्रदर्शन के बावजूद रॉयल्स प्रदर्शन में निरंतरता नहीं ला सके । चार जीत के साथ शुरूआत करने वाली टीम पिछले सात में से पांच मैच हार गई । गेंदबाजी भी उनका सिरदर्द बनी हुई है। 11 मैचों में 12 अंक लेने वाले रॉयल्स को अगले तीन में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे और बाकी परिणाम भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी। उसे बाकी मैचों में दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और मुंबई से खेलना है ।

दिल्ली कैपिटल्स:

अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली ने अगले सत्र की योजना बनानी शुरू कर दी है। उसके 12 मैचों में 14 ही अंक है और वह प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर ही है।

चीन को उसके घर में हराकर भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड, आनंद महिंद्रा ने यूं की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शंघाई में आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 2 में मेजबान चीन के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारत की दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और कुमकुम मोहद ने फाइनल मुकाबले में अपना संयम बनाए रखते हुए शूट ऑफ में चीन को 5-4 (28-26) से मात देकर गोल्ड मेडल जीता। 31 साल की दीपिका का वर्ल्ड कप में यह 12वां गोल्ड मेडल है। 2021 के बाद पहली बार उनके खाते में गोल्ड आया है।

चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीतने पर बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय महिला आर्चरी टीम की सराहना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- शंघाई में, फाइनल में मेजबान चीन को हराना... इसे ही कहते हैं 'बुलज-आई'।

यह मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा। भारत ने पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन चीनी टीम ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया और चार सेट के निर्धारित मुकाबले के बराबर समाप्त होने के बाद मैच को शूट-ऑफ में धकेल दिया। निर्णायक प्रेशर में भारतीय तीरंदाजों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अनुभवी स्टार दीपिका कुमारी ने तब घरेलू दर्शकों के सामने इस यादगार जीत को पक्का करने की जिम्मेदारी संभाली और शूट-ऑफ के आखिरी तीर पर 9 अंक हासिल किए।

इससे पहले भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की की थी।

इस जीत के साथ भारत को टूनार्मेंट में अपना दूसरा पदक भी मिला। इससे पहले शनिवार को प्रवीण जाधव ने कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के पदकों का खाता खोला था।

ग्रुप स्टेज के 3 मैच रहते चेन्नई सुपर किंग्स ने साइन किया नया खिलाड़ी, टीम में इस प्लेयर को करेगा रिप्लेस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के ग्रुप स्टेज के अभी 3 मुकाबले बाकी हैं। हालांकि अब इससे पहले ही पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने कथित तौर पर कर्नाटक के ऑलराउंडर मैकनील हेडली नोरोन्हा को साइन कर लिया है।

मैकनील चोटिल रामकृष्ण घोष को टीम में रिप्लेस करने वाले हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक,सीएसके ने बीसीसीआई को लेटर लिखा है और वो साइनिंग फाइनलाइज करने के लिए अप्रूवल के लिए इंतजार कर रही है। इस बात की पुष्टि खुद सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने की है।

महाराजा ट्रॉफी में चमके थे मैकनील

2025 की महाराजा ट्रॉफी मेंगलुरु ड्रेगन्स ने जीती थी। उस सीजन 24 साल के नोरोन्हा मेंगलुरु की टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 13 मैचों में 148.82 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 253 रन बनाए थे। उन्होंने उस सीजन कुल 19 छक्के उड़ाए थे।

मैकनील हेडली नोरोन्हा ऑफ स्पिनर भी हैं। उन्होंने टूनार्मेंट में 7.44 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 10 विकेट भी लिए थे। उन्होंने फाइनल में हुबली टाइगर्स के खिलाफ 25 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जोकि उनका गेंदबाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इतना ही नहीं बल्कि मैकनील को इसके बाद कर्नाटक की टीम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए भी शामिल किया गया था। उन्होंने 3 मैच खेले थे।

कैसे चोटिल हुए थे रामकृष्ण घोष?

चेन्नई सुपर किंग्स के रामकृष्ण घोष आईपीएल 2026 में 1 ही मैच खेल पाए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उनको सीधे पैर में फ्रेक्चर हो गया था। इस मैच के बाद वह टूनार्मेंट से बाहर हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब तक इस सीजन 11 मैच खेले हैं, जिसमें से उन्होंने 6 में जीत दर्ज की है और वे 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में 5वें पायदान पर हैं।

टेस्ट | इंग्लैंड की टेस्ट टीम से जैक क्राउली और ओली पोप को ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में एमिलियो गे और जेम्स यू को शामिल किया गया है।

इंग्लैंड ने दो स्टार बल्लेबाजों को ड्रॉप किया, इटली के लिए खेल चुके खिलाड़ी को टेस्ट में दी जगह

लंदन। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें दो साल की गैरमौजूदगी के बाद सीमर ओली रॉबिन्सन को वापस शामिल किया गया है। टीम की कमान बेन स्टोक्स के हाथों में है।

4 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने जा रहे इस मुकाबले के लिए 3 नए खिलाड़ियों एमिलियो गे, जेम्स यू और सन्नी बेकर को शामिल किया है। इसके साथ ही ओली पोप को भी टीम से ड्रॉप कर दिया गया है।

एशेज के बाद इंग्लैंड का पहला टेस्ट

यह मैच इंग्लैंड का एशेज में खराब प्रदर्शन के बाद पहला मुकाबला होगा। 32 वर्षीय रॉबिन्सन की वापसी ऐसे समय में हुई है, जब इंग्लैंड स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद गेंदबाजी आक्रमण के लिए एक नए लीडर की तलाश में है, जिन्होंने 20 टेस्ट मुकाबलों में 76 विकेट लिए हैं। फिटनेस से जुड़ी चिंताओं के कारण 2024 के भारत दौरे के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था।

इटली के लिए खेल चुके हैं एमिलियो

एशेज दौरे में खराब प्रदर्शन के कारण जैक क्राउली को टीम से बाहर कर दिया गया है, जिससे डरहम के एमिलियो के लिए बेन डकेट के साथ ओपनिंग का रास्ता खुल गया है। एमिलियो इटली की ओर से तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वहीं, 12 फर्स्ट क्लास शतक लगा चुके जेम्स के रिजर्व मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज के तौर पर खेलने की संभावना काफी प्रबल है।

23 वर्षीय बेकर, अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की मुश्किल शुरूआत के बाद, रॉबिन्सन, जोश टंग, गस एटकिंसन और मैथ्यू फिशर के पेस ग्रुप में शामिल हो गए हैं। एशेज के दौरान नजरअंदाज किए गए शोएब बशीर को टीम में शामिल किया गया है और वह लेग-स्पिनर रेहान अहमद के साथ स्पिनर की जगह के लिए मुकाबला करेंगे। रेहान अहमद पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच खेल सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलियाई मार्कस नॉर्थ को अपना नया राष्ट्रीय चयनकर्ता भी नियुक्त किया है, जिन्होंने ल्यूक राइट की जगह ली है। लॉर्ड्स टेस्ट से पहले टीम 22 मई को लॉफबोरो में एकजुट होगी। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेले जाने हैं। सीरीज का अगला मैच केनिंग्टन ओवल में 17 जून से खेला जाएगा। 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में तीसरे मुकाबले की शुरूआत होगी।

पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स यू, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), जोश टंग।

संकेत ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे देश की तेल कंपनियों का भारी घाटा हो रहा है।

सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ने के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी? आरबीआई गवर्नर ने दिया संकेत

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के मद्देनजर लोगों से पेट्रोल-डीजल बचाने, विदेश यात्रा और सोने की खरीद से परहेज करने की अपील की थी। इस बीच सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। इस बीच पेट्रोल और डीजल पर भी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बड़ा संकेत दे दिया है। मल्होत्रा का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ानी पड़ सकती है। ईरान युद्ध ने भारत के एनर्जी इम्पोर्ट, इनफ्लेशन आउटलुक और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत दुनिया में तेल का तीसरा बड़ा उपभोक्ता है लेकिन ईरान युद्ध के कारण उसका आयात बिल काफी बढ़ गया है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने का कारण कच्चे तेल का आयात प्रभावित हुआ है। भारत का ज्यादातर तेल खाड़ी देशों से ही आता है। तेल महंगा होने से ऑयल कंपनियों को भारी घाटा हो रहा है लेकिन भारत ने अब तक पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बढ़ाई है। कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का कहना है कि यह बोझ आम लोगों पर डाला जाना चाहिए।

तेल कंपनियों पर बोझ

मल्होत्रा ने एक कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर ईरान संकट लंबे समय तक बना रहता है तो सरकार के पास पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एक्साइज ड्यूटी को पहले ही कम कर दिया गया है और सरकारी तेल कंपनियां कच्चे तेल की कीमत में तेजी को खुद ही वहन कर रही हैं। अब तक इसे उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है।

इस बीच सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकारी कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी, इंडस्ट्रियल डीजल, 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर और इंटरनेशनल एयरलाइन्स के लिए जेट फ्यूल की कीमत में इजाफा कर चुकी हैं। हालांकि पेट्रोल-डीजल में अब तक कोई इजाफा नहीं किया गया है। आईएमएफ ने हाल ही में कहा था कि पेट्रोल-डीजल की महंगाई का बोझ आम लोगों पर डाला जाना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल की कीमत

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अभी 94.77 रुपये प्रति लीटर है जबकि डीजल 87.67 रुपये लीटर मिल रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमत में आज मामूली गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 0.28% गिरावट के साथ 107.5 डॉलर प्रति बैरल पर है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में करीब 50 फीसदी तेजी आई है। पिछले महीने यह 126 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था जो 2022 के बाद इसका उच्चतम स्तर था।

भारत की पॉलिसी से घबराया चीन, एक के बाद एक कर रहा पंगे

नई दिल्ली।
भारत के आत्मनिर्भरता के प्रयास चीन को चुभ रहे हैं। सोलर एनर्जी और आईटी जैसे क्रिटिकल सेक्टर में भारत की स्कीमें (मसलन पीएलआई स्कीम) की राह में वह अड़ंगे डालने में लगा है। बार-बार पेंच फंसाने की कोशिश से उसकी घबराहट का साफ पता चलता है। इसके लिए उसने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को जरिया बनाया है। अब बीजिंग ने डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान संस्था से एक पैनल बनाने की अपील की है। यह अपील उस मामले के संबंध में है जो चीन ने भारत के खिलाफ दायर किया है। यह मामला नई दिल्ली की ओर से सोलर सेल, मॉड्यूल और इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्रों के लिए दिए गए सहायता उपायों से जुड़ा है।

भारत का अपनी पॉलिसी पर रुख काफी साफ और रणनीतिक रहा है। इसे वह सिर्फ एक व्यापारिक विवाद के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक संप्रुभता और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तौर पर देखता है। पिछले साल दिसंबर में चीन ने विवाद पर आपसी सहमति से कोई समाधान निकालने के लिए अर्जी दी थी।

हालांकि, विवाद पर आपसी सहमति से कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद फिर ताजा अपील की गई है। आपसी सहमति से समाधान निकालने के मकसद से 10 फरवरी, 2026 को ये बातचीत हुई थी।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के एक संदेश में कहा गया है, 'दुर्भाग्य से, ये बातचीत विवाद को सुलझाने में फेल रही। इसलिए, चीन ने एक पैनल गठित करने के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया है।'

चीन का आरोप क्या है?

चीन ने आरोप लगाया है कि भारत की ओर से कुछ तकनीकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ या आयात शुल्क, और आयातित सामानों के बजाय घरेलू उत्पादों के इस्तेमाल जैसे उपाय चीनी सामानों के साथ भेदभाव करते हैं।

न्यूज ब्रीफ.....

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में जबरदस्त उछाल, कस्टम ड्यूटी बढ़ते ही निवेशकों की हुई चांदी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को सोना-चांदी के निवेशकों को बड़ी खबर दी। सरकार ने सोना-चांदी पर इम्पोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी। ऐसे में अब सोना-चांदी खरीदना महंगा हो गया है। इस खबर के बाद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी की कीमत में तेजी आई। वहीं दूसरी ओर ज्वेलरी स्टॉक्स धड़ाम हो गए। इस बीच गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ ने बुधवार को निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया। इनमें 15% तक की तेजी आई। सरकार की ओर से घोषित इम्पोर्ट ड्यूटी की बढ़ी हुई दरें बुधवार 13 मई से लागू हो गई हैं। बुधवार सुबह जब बाजार खुला तो लोगों से गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में खरीदारी तेज कर दी। बुधवार सुबह गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में तेजी इस प्रकार रही- **गोल्ड ईटीएफ**: कुल 25 गोल्ड ईटीएफ में से क्वांटम गोल्ड फंड करीब 15% की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। टाटा गोल्ड ईटीएफ में 12% और जेरोधा गोल्ड ईटीएफ में लगभग 9% की तेजी आई। **सिल्वर ईटीएफ**: चांदी पर आधारित ईटीएफ में 10% तक का उछाल आया। इनमें एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और यूटीआई सिल्वर ईटीएफ टॉप गेनर्स रहे।

अडानी के साथ उड़ेगी उबर, अहमदाबाद में हुई खास मीटिंग, भारत में बनेगा कंपनी का पहला डेटा सेंटर

नई दिल्ली। कैब सर्विस कंपनी उबर भारत में अडानी ग्रुप के साथ मिलकर पहला डेटा सेंटर स्थापित करेगी। इसकी वजह देश का कंपनी के लिए बड़े इनोवेशन हब के रूप में उभरना है। यह जानकारी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने बुधवार को दी। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी से मुलाकात के बाद डेवलपमेंट के बारे में जानकारी शेयर करते हुए उबर के सीईओ ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लिए एक अग्रणी इनोवेशन केंद्र बन रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह अहमदाबाद में गौतम अडानी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और अडानी ग्रुप के साथ हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिला।' प्रस्तावित डेटा सेंटर से भारत में उबर के बढ़ते टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कार्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारत कंपनी के लिए न केवल मोबिलिटी सेवाओं में, बल्कि इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास में भी एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। कंपनी के सीईओ ने कहा कि इस साल के अंत तक तैयार होने वाला यह निवेश हमें भारत से दुनिया भर के लिए बड़े पैमाने पर विकास करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत उबर के लिए एक प्रमुख इनोवेशन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है, हम अपनी तकनीक का परीक्षण और तैनाती करने के लिए अडानी ग्रुप के साथ देश में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रहे हैं। डेटा सेंटर सेक्टर की रेस में मुकेश अंबानी भी शामिल हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी इस परियोजना में 1.6 लाख करोड़ रुपये (17 अरब डॉलर से ज्यादा) का निवेश करेगी। यह परियोजना 1.5 गीगावॉट क्षमता वाली होगी, जो भारत में अब तक की सबसे बड़ी डेटा सेंटर परियोजना मानी जा रही है।

बड़ी डील भारत और रूस मिलकर लिथियम और रेयर अर्थ मेटल्स सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, प्रोसेसिंग और तकनीकी सहयोग पर जोर दे रहे हैं।

भारत और रूस मिलकर निकालेंगे ये खजाना, जल्द होने वाली है बड़ी डील

नई दिल्ली।
भारत और रूस मिलकर एक बड़ी डील करने वाले हैं। यह डील रेयर अर्थ यानी महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज, उनकी प्रोसेसिंग और तकनीकी सहयोग से जुड़ी होगी। रॉयटर्स के मुताबिक इस डील पर दोनों देश जल्दी ही साइन कर सकते हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सप्लाई सुनिश्चित करना और चीन पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

क्या है इस डील का मुख्य उद्देश्य?

- यह समझौता मुख्य रूप से लिथियम और रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिज) पर केंद्रित होगा।
- अगले दो महीनों के भीतर इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। भारत ने पहले ही प्रस्तावित समझौते का मसौदा रूस के साथ शेयर कर दिया है।
- वर्तमान में चीन कई महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति और प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी पर हावी है। भारत अपनी ऊर्जा परिवर्तन योजनाओं के लिए नए विदेशी सोर्स सुरक्षित करना चाहता है।

माली प्रोजेक्ट पर फिर से विचार

सूत्रों का कहना है कि अगर पश्चिम अफ्रीकी देश माली में राजनीतिक स्थिति स्थिर होती है, तो भारत रूसी सरकारी परमाणु निगम रोसाटॉम के लिथियम एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट में फिर से शामिल होने पर विचार कर सकता है। इससे पहले सुरक्षा कारणों से भारत इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गया था।

भारत के अन्य वैश्विक प्रयास

- भारत ने केवल रूस ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के साथ भी खनिज सुरक्षा के लिए गठबंधन किए हैं:
- भारत पहले ही अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ समझौते कर चुका है।
- पेरू और चिली के साथ द्विपक्षीय वाताओं का दौर जारी है।
- भारत सरकार ने रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने वाली निजी कंपनियों के लिए 2500 करोड़ रुपये (261 मिलियन डॉलर) का इंसेंटिव प्रोग्राम भी तैयार किया है।

रूस के पास कितना भंडार?

- रूस के पास खनिजों का विशाल भंडार है, लेकिन उसके पास प्रोसेसिंग की आधुनिक तकनीक और उत्पादन क्षमता की कमी है। रूस के खनिज भंडार इस प्रकार हैं:
- रूस के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के अनुसार देश में अनुमानित 2.85 करोड़ मीट्रिक टन रेयर अर्थ मेटल्स और 6.50 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा रेयर मेटल्स मौजूद हैं।
- रूस सालाना 3000 टन रेयर अर्थ की खपत करता है, लेकिन प्रोडक्शन केवल 50 टन ही होता है। अपनी जरूरतों का 98% वह आयात करता है।
- बात अगर लिथियम की करें तो रूस की स्थिति खराब है। रूस अपनी लिथियम की सारी जरूरत आयात से पूरी करता है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह डील?

इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के लिए लिथियम और रेयर अर्थ बेहद जरूरी हैं। साल 2023 में भारत सरकार ने 20 से अधिक खनिजों को क्रिटिकल यानी रेयर घोषित किया था। रूस के साथ यह साझेदारी भारत को न केवल कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि नई तकनीक तक पहुंच भी प्रदान करेगी।

निवेशकों ने आगामी लैंडमार्क ट्विन टावर परियोजना का किया दौरा

हैदराबाद । सनाया होम्स के इलियास खान ने आरआर ग्रुप और वीज़ इंफ्रा के निदेशक तथा संभावित निवेशक सैयद वकार उद्दीन के साथ मिलकर हैदराबाद के पश्चिमी गलियारे में स्थित पतंचेरू में आगामी लैंडमार्क वाणिज्यिक और आवासीय ट्विन टावर परियोजना का दौरा किया।

इस दौरे के दौरान आईटीजी ग्रुप के सलाहकार रमीर इकबाल अली भी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना की योजनाओं की समीक्षा की और इस विकास की भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की, जो क्षेत्र की सबसे महत्वाकांक्षी उच्च-स्तरीय वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में से एक बनने की उम्मीद है।

इस परियोजना का विकास आधुनिक सुविधाओं और उन्नत बुनियादी ढांचे के साथ किया जा रहा है, जिसमें जर्मन तकनीक और समकालीन वास्तुकला मानकों को शामिल किया गया है। उम्मीद है कि इसका आधिकारिक उद्घाटन इस वर्ष के अंत तक होगा और इसे पतंचेरू क्षेत्र में अपनी तरह की पहली लैंडमार्क ट्विन टावर विकास परियोजनाओं में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह आगामी विकास तेजी से बढ़ते हैदराबाद के पश्चिमी हिस्से में प्रीमियम जीवनशैली सुविधाएं और आधुनिक बुनियादी ढांचा लाने की उम्मीद है, जो क्षेत्र की रियल एस्टेट वृद्धि में एक नया आयाम जोड़ेगा।

टीम ने कहा कि इस परियोजना से रियल एस्टेट क्षेत्र में ''बिग बैंग'' प्रभाव पैदा होने की उम्मीद है और यह गृह खरीदारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और निवेशकों की समान रूप से मजबूत रुचि को आकर्षित करेगी।

आईडीए डक्कन ने डॉ. आनंद रेड्डी को मौखिक कैंसर जागरूकता में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित

हैदराबाद । इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) दक्कन शाखा ने पद्म श्री पुरस्कार विजेता डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी, निदेशक, अपोलो कैंसर सेंटर्स, हैदराबाद के हयात प्लेस में आयोजित सीडीई कार्यक्रम श्रृंखला के दौरान ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उनके असाधारण और विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया।

एसोसिएशन ने डॉ. रेड्डी के उल्लेखनीय योगदान को मान्यता दी, जिन्होंने नैदानिक उत्कृष्टता, अग्रणी अनुसंधान, शैक्षिक मार्गदर्शन और करुणामय उपचार के माध्यम से कैंसर देखभाल को आगे बढ़ाया है, जिसने अनगिनत व्यक्तियों को आशा और जीवन प्रदान किया है। उन्हें मौखिक कैंसर जागरूकता को बढ़ावा देने और रोकथाम, शीघ्र निदान और सामुदायिक कल्याण के कार्य को मजबूत करने के उनके प्रयासों के लिए भी स्वीकार किया गया।

इस सम्मान समारोह की अगुवाई आईडीए के अध्यक्ष डॉ. सूर्य प्रसन्ना, आईडीए दक्कन शाखा के अध्यक्ष-निर्वाचित डॉ. करुणाकर, और आईडीए दक्कन शाखा के सचिव डॉ. श्रीकांत ने की। इसके अतिरिक्त पूर्व डीसीआई अध्यक्ष डॉ. सतीश, पूर्व अध्यक्ष डॉ. वाई.एस. रेड्डी, डॉ. निरंजन और डॉ. संदीप, तथा कार्यकारी समिति के सदस्य डॉ. चरण, डॉ. अर्जुन, डॉ. प्रफुल्ल, डॉ. हरीश, डॉ. कार्तिक, डॉ. गीता, डॉ. फारिया, डॉ. श्वेता, डॉ. कुंदना और डॉ. प्रणवी उपस्थित थे।

चार दिन की गिरावट से उबरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 50 अंक चढ़ा

मुंबई। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार चार दिन की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 49.74 अंक (0.07 प्रतिशत) चढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 121.70 अंक यानी 0.52 प्रतिशत ऊपर 23,501.25 अंक पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक पांच सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए थे। वृहत बाजार में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.64 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी अपील के...

जबकि मध्यम आकार के ज्वैलर्स की डेली सेल आमतौर पर 15 लाख से 18 लाख के बीच रहती है।

पीएम मोदी की अपील के बाद घबराए हुए खरीदार सोने के गहने जमा करने की होड़ में हैं। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से मुलाकात का समय मांग रही है। जोस अलुक्कास के मैनेजिंग डायरेक्टर वर्गीस अलुक्कास ने कहा कि कुछ लोग तो नवंबर-दिसंबर में होने वाली शादियों के लिए भी खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें यह डर है कि सरकार सोने की खरीद पर रोक लगा सकती है। देश के सबसे बड़े बुलियन और ज्वैलरी हब में से एक, मुंबई के बाजारों में व्यापारियों का अनुमान है कि पिछले दो दिनों में बिक्री में लगभग 20% की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि इस बीच केंद्र सरकार ने सोने-चांदी जैसी कीमती धातुओं पर इम्पोर्ट ड्यूटी को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। इस खबर के बाद एमसीएक्स पर गोल्ड की कीमतों में 11,000 रुपये की तेजी और सिल्वर की कीमतों में 22,000 रुपये की तेजी देखने को मिली।

अखिलेश के...

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह समेत कई नेता भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। बाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रतीक यादव के आवास पहुंचे और परिवार से मुलाकात कर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले साक्षी महाराज भी वहां पहुंचे थे। इस दौरान अखिलेश यादव ने बाहर आकर साक्षी महाराज को गले लगाया, जिसकी चर्चा राजनीतिक गलियारों में होती रही। प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट बुधवार शाम तक पूरी सामने आ गई, जिसमें पुष्टि हुई कि उनकी मौत पल्मोनरी थ्रॉम्बोएम्बॉलिज्म के कारण हुई। रिपोर्ट में कुछ चोटों के निशान का भी जिक्र था, हालांकि डॉक्टरों ने अनौपचारिक तौर पर बताया कि ये चोटें पुरानी थीं। प्रतीक यादव के आवास पर लोगों के आने-जाने का सिलसिला लगातार जारी है। परिवार और समर्थकों के बीच गम का माहौल बना हुआ है। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 11:30 बजे लखनऊ के भैंसाकुंड श्मशान घाट पर किया जाएगा।

एलपीजी किल्लत....

इसमें कच्चे तेल की आपूर्ति व्यवस्था, रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में निवेश और पेट्रोलियम इंफ्रास्ट्रक्चर के डाउनस्ट्रीम सेक्टर में सहयोग शामिल है। यूएई फिलहाल भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और पिछले 25 सालों में भारत में सबसे ज्यादा निवेश करने वाले देशों में सातवें स्थान पर है। इस यात्रा के दौरान यूएई में रहने वाले 45 लाख से अधिक भारतीय समुदाय के कल्याण पर भी खास ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय सबसे बड़े विदेशी समुदायों में से एक माना जाता है। यूएई के अलावा पीएम मोदी के पांच देशों के दौरे का मुख्य फोकस ऊर्जा सहयोग है जिसमें वो नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन टेक्नोलॉजी पर भी बात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे में शामिल पांच देश हैं- यूएई और यूरोप के चार देश नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे और इटली। यूरोपीय देशों के दौरे का मकसद ग्रीन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बात करना और भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों को मजबूती देना है।

केरलम...

वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर केरल में प्रदर्शन हो रहे हैं, जिस पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे कड़ी नाराजगी जता चुके हैं। लेकिन, अब वायनाड में जो धमकी भरे पोस्टर देखे गए हैं, हालात की गंभीरता की तरफ इशारा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर केरलम में विधायकों की राय जानने के लिए सीनियर नेताओं अजय माकन और मुकुल वासनिक को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था। उसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने यहां एक महत्वपूर्ण मीटिंग बुलाई थी। मीटिंग में राहुल गांधी के साथ-साथ केसी वेणुगोपाल और वीडी सतीशन भी शामिल हुए थे।जब बात उस मीटिंग में भी नहीं बन पाई, तो केरल से पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वीएम सुधीरन, मुल्लापल्ली रामचंद्रन, के मुरलीधरन, के सुधाकरन और एमएम हसन जैसे नेताओं को भी दिल्ली बुलाया गया। कार्यकारी अध्यक्ष पीसी विष्णुनाथ, शफी परम्बिल, एपी अनिल कुमार और तिरुवंचूर राधाकृष्णन को भी दिल्ली पहुंचने का फरमान भेजा गया। मंथन जारी है, लेकिन अगर कोई नतीजा निकला है, तो सामने नहीं आया है।खास बात यह रही कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर बुलाई गई बैठक से पहले राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से अलग से मुलाकात की। रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिकार्जुन खड़गे की बुलाई मीटिंग में जब वीडी सतीशन पहुंचे तो राहुल गांधी ने उनसे उनके खिलाफ लगे आरोपों के बारे में पूछा था।

राहुल गांधी जानना चाहते थे कि केरलम में उनको मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर हो रहे प्रदर्शनों में उनकी क्या भूमिका है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के खिलाफ जो पोस्टर लगाए गए थे, उनका आरोप है कि यह काम कांग्रेस नेता वीडी सतीशन के समर्थन से ही हुआ था।

बताते हैं, वीडी सतीशन ने उस वक्त स्वीकार किया कि वो केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाए जाने के खिलाफ हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 14 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्रीमद्भागवत कथा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें सम्पन्न

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास में 28 मई से 3 जून तक गोवत्स परम पूज्य श्री राधाकृष्ण महाराज के मुखार्विन्द से आयोजित होने वाली 'श्रीमद् भागवत कथा' के प्रचार-प्रसार एवं भागवत कथा व गोसेवा से अधिक से अधिक वैष्णवों को जोडने के उद्देश्य से मलकपेट एवं चप्पल बाजार क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठके रखी गई । श्रीमद् भागवत कथा नुमाईश मैदान में दोपहर 3:30 बजे से 7:30 बजे तक रहेगी । युवाओं में भारतीय संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से कथा के अन्तर्गत 31 मई को प्रातः 8:30 से 10:30 बजे तक पूज्य महाराजजी के द्वारा संवादात्मक सत्र 'कैसे अपने जीवन को सुन्दर, सार्थक एवं सफल बनाए' विषय पर प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया जायेगा । जिसमें 14 से 40 वर्ष तक के युवक-युवतियाँ भाग ले सकेंगे । इस सत्र में भाग लेने के इच्छुक युवक-युवतियाँ गूगल पेज पर जाकर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा । कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड ने गोवत्स फाउण्डेशन की ईसीएस सेवा एवं कार्पस फण्ड योजना 'जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी' से सभी वैष्णवों को जोड़ने का प्रयास करने का निवेदन किया । मलकपेट क्षेत्र की कार्यकर्ताओं की बैठक में विट्ठल काबरा, दिनेश बजाज, रविनारायण दरक, संजय बजाज, आशीष सोनी, सुकेश झँवर, राजु परतानी, सम्पत धूत व रमेश मून्दड़ा के साथ गोवत्स फाउण्डेशन के गोपाल सारडा, बद्रीविशाल लोया ने भाग लिया ।

चप्पल बाजार क्षेत्र की बैठक श्रीनिवास मोदा्यी के निवास स्थान पर हुई । बैठक में घनश्याम लोया, प्रकाश राठी, प्रकाश तापडियाँ, प्रमोदकुमार बंग, रामेश्वर डालिया, सुनील कुमार लड्डा, जयप्रकाश धूत, श्रीकांत लाहोटी, पुरुषोत्तम टावरी, शैलेष सोनी, सीएस द्वारका असावा, सीए अजय दरक, मनीष लाहोटी, भरत सारडा, श्रीनिरास मोदानी, सतीश बाहेती, श्याम राठी, घनश्याम चाण्डक व अशोक कुमार सोनी ने भाग लिया । सभी ने अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया ।

अग्रवाल समाज मैरिज डाटा कमेटी का गठन

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यालय में मैरिज डाटा कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक कार्यकारिणी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल जी एवं उपाध्यक्ष हरि गोविंद अग्रवाल जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समाज के वैवाहिक समन्वय एवं संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से महेंद्र कुमार अग्रवाल को मैरिज डाटा कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया। वहीं कमेटी के सुचारू संचालन एवं विभिन्न कार्यों के समन्वय हेतु कई सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मैरिज डाटा कमेटी के वाइस चेयरमैन के रूप में पंकज संघी को नियुक्त किया गया।

वहीं रानी मित्तल, शीतल रुंगटा, अशोक जिंदल, जितेंद्र अग्रवाल, संतोष चोखानी, मनोज अग्रवाल (लाल जी), गोपाल अग्रवाल एवं सुनील मोदी को नियुक्त किया गया।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने नव नियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाज के युवाओं एवं परिवारों के लिए बेहतर वैवाहिक मंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अग्रवाल समाज द्वारा बत्तिनी गौड़ परिवार के सम्मान में स्वागत समारोह आज

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से आयोजित होने वाले मछली प्रसादम कार्यक्रम के शुभ अवसर पर बत्तिनी गौड़ परिवार के सम्मान एवं स्वागत हेतु एक विशेष समारोह का आयोजन गुरुवार, 14 मई 2026 को शाम 6:00 बजे राघव रत्ना टॉवर की 10वीं मंजिल पर किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम समाज के लिए गौरव एवं श्रद्धा का विषय है। बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा वर्षों से जनकल्याण के उद्देश्य से किए जा रहे सेवा कार्यों के प्रति सम्मान प्रकट करने तथा उनका अभिनंदन करने के लिए इस स्वागत समारोह का आयोजन रखा गया है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने समाज के सभी पदाधिकारियों, सदस्यगणों एवं मातृशक्ति से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं तथा अतिथियों का उत्साहवर्धन करें। आयोजकों ने कहा कि समाजबंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति ही कार्यक्रम की सफलता का आधार होगी।

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का भव्य आयोजन

17 मई को निकलेगी भव्य कलश यात्रा, प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से कथा

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। फीलखाना स्थित शृंग ऋषि भवन (श्री राधाकृष्ण धाम) में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जोधपुर निवासी विश्व विख्यात परमपूज्य अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक संत हरिराम जी शास्त्री अपने मुखारविंद से भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे।

आयोजन समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कथा महायज्ञ का शुभारंभ रविवार, 17 मई 2026 को प्रातः 11:11 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा पंचायती बाड़ा (श्री रामदरबार), फीलखाना, भाग्यनगर हैदराबाद से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल शृंग ऋषि भवन (श्री राधाकृष्ण धाम) पहुँचेगी।

कथा कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार, 18 मई को परीक्षित प्रसंग एवं वराह अवतार, मंगलवार, 19 मई को ध्रुव चरित्र एवं नरसिंह अवतार का वर्णन किया जाएगा। बुधवार, 20 मई को वामन अवतार, श्रीराम जन्मोत्सव एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गुरुवार, 21 मई को नंदोत्सव, श्रीकृष्ण बाल लीला एवं छप्पन भोग का विशेष आयोजन होगा। इसी क्रम में शुक्रवार, 22 मई को उद्धव-गोपी संवाद एवं श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह तथा शनिवार, 23 मई को सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। समापन अवसर पर भागवत विश्राम, आरती तथा व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य एवं अन्य अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन कथा दोपहर 3:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक आयोजित होगी। यह धार्मिक आयोजन शृंग ऋषि भवन, फीलखाना, भाग्यनगर (हैदराबाद) में संपन्न होगा।

साँवरिया सेठ भक्त मंडल, भाग्यनगर (हैदराबाद-सिकंदराबाद), तेलंगाना द्वारा सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

बकरीद पर गोवंश के अवैध वध पर रोक लगाने की मांग

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय प्राणी मित्र संघ ने आगामी बकरीद 27 मई तथा अन्य अवसरों पर गायों, बछड़ों एवं बैलों के कथित अवैध वध को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए तेलंगाना सरकार एवं पुलिस प्रशासन से तेलंगाना गौवध निषेध एवं पशु संरक्षण अधिनियम, 1977 को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

संस्था के पदाधिकारियों द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल एवं मानद मंत्री महेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य के कानून के अनुसार गायों एवं उनके बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध है, चाहे उनकी आयु या स्वास्थ्य की स्थिति कुछ भी हो।अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल ने कहा कि बैल, सांड एवं भैंसों का वध केवल उन्हीं परिस्थितियों में किया जा सकता है जब वे खेती, प्रजनन अथवा दुग्ध उत्पादन के योग्य न हों तथा उनकी आयु 14 वर्ष से अधिक हो। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी से प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य है।

संस्था के सह मंत्री मुकेश चौहान ने कहा कि किसी भी पशु का वध केवल लाइसेंस प्राप्त बूचड़खानों में ही किया जा सकता है। सार्वजनिक स्थानों अथवा निजी परिसरों में पशु वध करना गैर-कानूनी है।

मानद मंत्री महेश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि हर वर्ष शिकायतों के बावजूद प्रशासन पर्याप्त सख्ती नहीं दिखाता। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्ष बकरीद के दौरान बड़ी संख्या में पशुओं का अवैध वध किया गया था।

संस्था ने पश्चिम बंगाल बबनाम अशुतोष लाहिरी मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया था कि गौवध किसी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। संस्था ने यह भी कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा पुलिस महानिदेशक को अवैध पशु वध रोकने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार एवं सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

संस्था ने पशु परिवहन नियम, 1978 के उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया। संस्था के अनुसार नियमों के तहत एक ट्रक में छह से अधिक पशुओं को ले जाना प्रतिबंधित है। संगठन ने मांग की कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त कर उनके आरटीए लाइसेंस निरस्त किए जाएं तथा पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं में भेजा जाए।

संस्था के उपाध्यक्ष जसमत पटेल एवं सलाहकार एडवोकेट जी.एल. नरसिम्हा राव ने संयुक्त रूप से कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 48 गोवंश संरक्षण की बात करता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि कानून का उल्लंघन करने वाले तत्वों के विरुद्ध इस बार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डॉ. अजय अग्रवाल ने तेलंगाना के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. अजय अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस तथा निदेशक स्वच्छ अधिकार इंडिया ने अपने पुत्र केतन अग्रवाल, निदेशक स्वच्छ अधिकार इंडिया एवं टेस्ट बडर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ तेलंगाना के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद, महानिदेशक कानून-व्यवस्था महेश भगवत तथा ऑक्टोपस के महानिदेशक अनिल कुमार को पदोन्नति के उपरांत नए पदभार ग्रहण करने पर सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गईं।

डॉ. अजय अग्रवाल ने कहा कि पुलिस अधिकारी समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों की सेवाओं एवं नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम के दौरान आपसी सौहार्द एवं सामाजिक सरोकारों पर भी चर्चा की गई।

श्रीमद्भागवत कथा हेतु अमृत दास खाकी महाराज को दिया गया निमंत्रण

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 5 जून 2026 से 12 जून 2026 तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के संदर्भ में खाकी अखाड़ा मठ, बेगम बाजार के पीठाधीश्वर श्री महामंडलेश्वर बाल योगी ब्रह्मर्षि श्री श्री 1008 श्री महंत अमृत दास खाकी जी महाराज (अयोध्या धाम) को श्रद्धापूर्वक निमंत्रण पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर कथा यजमान माताजी उमादेवी तोतला, संजय कुमार तोतला, अरुणा तोतला, विजय कुमार तोतला, बबीता तोतला, राजगोपाल गिलड़ा, सुनंदा गिलड़ा, शुभम तोतला, लखन तोतला, केशव तोतला, कुशाल तोतला, सुनील कुमार पाण्डेय, आदित्य नारायण मिश्रा, महेश गौतम, ओमप्रकाश गौतम एवं सूरज महाराज सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कथा के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। निमंत्रण के दौरान श्रद्धालुओं ने महामंडलेश्वर श्री अमृत दास खाकी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा कथा आयोजन की सफलता के लिए मंगलकामनाएं कीं।

राधे राधे ग्रुप मानवता की भावना को भी मजबूत कर रहा : सोहनलाल दाहिमा

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों की सहायता करते हुए मानव सेवा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने समाजसेवा के कार्यों को निरंतर गति देने तथा जरूरतमंदों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर सोहनलाल दाहिमा ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन केवल सेवा कार्य ही नहीं कर रहा, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा, संस्कार और मानवता की भावना को भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में निस्वार्थ सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और राधे-राधे ग्रुप इसी उद्देश्य को लेकर निरंतर कार्यरत है। संगठन के सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाकर समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता, समृद्धि और समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, गोपाल गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

रेवंत रेड्डी ने राज्य में मेगा अर्बन ग्रोथ कॉरिडोर का अनावरण किया

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना के लिए एक महत्वाकांक्षी शहरी विस्तार रोडमैप की घोषणा की। इस योजना के तहत राज्य के शहरी परिदृश्य को अगले 25 वर्षों के लिए नया रूप देने के उद्देश्य से अर्बन ग्रोथ कॉरिडोर, मंदिर एवं पर्यटन कॉरिडोर और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के नेटवर्क का प्रस्ताव दिया गया है।

MCRHRD में नगर प्रशासन और सड़क एवं भवन विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने निम्नलिखित विकास गलियारों के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए:

वारंगल-करीमनगर-खम्मम ग्रोथ कॉरिडोर (जिसे भविष्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है)।

महबूबनगर-भूतपुर-जडचेरला कॉरिडोर।

कोत्तागुडेम-पालवंचा-सुजातानगर कॉरिडोर।त इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने खम्मम, वारंगल और करीमनगर के लिए आउटर रिंग रोड परियोजनाओं को शहरी बुनियादी ढांचा विस्तार कार्यक्रम के हिस्से के रूप में शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को प्रमुख नगर पालिकाओं के करीब रेडियल सड़कों के माध्यम से शहरों को एकीकृत करने के लिए कहा।

सतत विकास पर जोर देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र और नवीकरणीय ऊर्जा इकाइयां शहरी नियोजन का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि: भूमिगत जल निकासी प्रणालियों में उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दें। परिचालन लागत कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। भविष्य में सरकारी कार्यों के लिए केवल ईवी वाहन ही किराए पर लिए जाने चाहिए। विकिरण स्तर को कम करने के लिए मल्टी-यूटिलिटी टावर, शहरों में स्मार्ट पोल और एआई-आधारित ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जाए।

निर्माण गतिविधियों के लिए सीवेज और अपशिष्ट जल प्रबंधन बोर्ड से उपचारित पानी का उपयोग अनिवार्य किया जाए।

राजा सिंह ने न्यू उस्मानिया हॉस्पिटल एवं सीवरेज कार्यों का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह ने गोशामहाल ग्राउंड में निर्माणाधीन न्यू उस्मानिया हॉस्पिटल के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने चंदनवाड़ी क्षेत्र में डाली जा रही नई सीवरेज लाइन के कार्य का भी जायजा लिया। यह सीवरेज लाइन गोशामहाल ग्राउंड से होकर गुजर रही है। बताया गया कि लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से यह महत्वपूर्ण विकास कार्य किया जा रहा है।

विधायक टी. राजा सिंह ने जीएचएमसी एवं वाटर वर्क्स विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए ताकि क्षेत्र की जनता को जल्द से जल्द सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी विशेष बल दिया।निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रिगेडियर बाबू ने रेवंत से मुलाकात कर पूर्व सैनिकों के कल्याण वाले मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक, ब्रिगेडियर एन आर बाबू ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और राज्य में पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान ब्रिगेडियर बाबू ने तेलंगाना पूर्व सैनिक निगम की स्थापना का प्रस्ताव रखा। श्री रेड्डी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को निगम की स्थापना के लिए आवश्यक रूपरेखा एवं प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रस्ताव पर आगे की चर्चा करने से पहले अन्य राज्यों में इसी तरह के निगमों के कामकाज एवं परिचालन मॉडल का अध्ययन करें।

ब्रिगेडियर बाबू ने मुख्यमंत्री से उनकी अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक शीघ्र बुलाने का भी अनुरोध किया। श्री रेड्डी ने आश्वासन दिया कि बैठक को जल्द से जल्द आयोजित करने की संभावना का पता लगाया जाएगा। सैनिक कल्याण निदेशक ने राज्यपाल की अध्यक्षता में राज्य प्रबंध समिति के गठन के संबंध में सरकारी आदेश जारी करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि आवश्यक आदेश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और सलाह दी कि किसी भी अतिरिक्त मामलों को उचित कार्रवाई के लिए उनके विशेष सचिव के सामने विस्तार से प्रस्तुत किया जाए। ब्रिगेडियर बाबू ने पूर्व सैनिकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी और क्षेत्रीय सैनिक कल्याण अधिकारी श्रीनेश कुमार नोरी भी उपस्थित थे।

सैनिकों और किसानों का सम्मान देश सेवा का सम्मान : रमेश

ताड़कोल, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ताड़कोल गांव के सरपंच अंडे रमेश ने कहा कि देश तभी मजबूत और बेहतर बनेगा जब किसान समृद्ध होंगे। किसान बिना किसी लाभ के उद्देश्य के कठिन परिश्रम कर फसल उगाते हैं और पूरे देश का पेट भरते हैं।

बुधवार को टीएमआर फाउंडेशन की देखरेख में आयोजित सम्मान समारोह में सेना में सेवा दे रहे बंदा हरिचरण रेड्डी तथा गांव के किरायेदार किसान पुट्टी गंगाराम का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सरपंच अंडे रमेश मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

सरपंच रमेश ने कहा कि कृषि विशेषज्ञों को किसानों को उचित मार्गदर्शन देना चाहिए ताकि वे ऑर्गेनिक खाद के माध्यम से बेहतर एवं स्वास्थ्यवर्धक फसलें उगा सकें। उन्होंने किसानों की भूमिका को देश की खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

शांति एवं सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी: डीजीपी

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने बुधवार को कहा कि आगामी बकरीद के त्योहार के दौरान राज्य में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य भर के पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुओं के अवैध परिवहन और तस्करी को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने गोवध अधिनियम, पशु परिवहन नियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के प्रावधानों को कड़ाई से लागू करने पर जोर दिया।

श्री आनंद ने बताया कि अवैध पशु परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश की सीमाओं पर 52 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट के अलावा राज्य भर में 203 चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

महानिदेशक ने चेतावनी दी कि कोई भी समूह कानून को अपने हाथ में न ले।

उन्होंने कुरैशी संघों और गौरक्षक समूहों, दोनों को सड़क जाम करने या टकराव वाली गतिविधियों में शामिल होने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे और जरूरत पड़ने पर उपद्रवियों की सूची भी खोली जाएगी।

इसके साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निगरानी तेज करने और भड़काऊ या भ्रामक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक कार्यालय के बयान के अनुसार, उन्होंने जिला पुलिस प्रमुखों को समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठकें करने का निर्देश दिया है ताकि त्योहार के दौरान किसी भी गलतफहमी को रोका जा सके और भाईचारा बना रहे।

बीजीयूएस ने डीजीपी से मिलकर गोवंश वध विरोधी कानून सख्ती से लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सीवी आनंद से मुलाकात कर राज्य में मवेशियों के अवैध परिवहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और गोवंश संरक्षण कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महानिदेशक से आग्रह किया कि अवैध मवेशी तस्करी में शामिल संगठित सिंडिकेट के खिलाफ 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' (पीडी) कानून लागू किया जाये।

बीजीयूएस नेताओं ने अवैध मवेशी परिवहन को रोकने में सीमावर्ती और जिला चेक पोस्टों की विफलता की उच्च स्तरीय जांच कराने की भी मांग की।

उन्होंने उन पशु चिकित्सकों के खिलाफ भी आपराधिक कार्रवाई की मांग की, जिन पर अवैध मवेशी परिवहन की सुविधा के लिए फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने का आरोप है।

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों से यह भी अनुरोध किया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से गोवंश संरक्षण कार्यकर्ताओं और वास्तविक गौ रक्षकों का कथित उत्पीड़न बंद किया जाए।

प्रतिनिधिमंडल में बीजीयूएस अध्यक्ष जी. राघव रेड्डी, महासचिव रविनुथला शशिधर, सलाहकार करोड़ीमल, उपाध्यक्ष गोविंद राठी और सचिव आले भास्कर और बद्दम महिपाल रेड्डी शामिल थे।

बिहार के 7 जिलों में सिविल डिफेंस ब्लैकआउट एवं मॉकड्रिल आज

पटना, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार की राजधानी पटना सहित प्रदेश के छह जिलों में गुरुवार को हवाई हमले से बचाव हेतु नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत सिविल डिफेंस ब्लैकआउट एवं मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि निर्धारित समय पर अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की सभी लाइटें बंद रखें तथा किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

इस संबंध में जिलाधिकारी, पटना ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर सिविल डिफेंस ब्लैकआउट एवं मॉकड्रिल की त्रुटिहीन तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल एक पूर्व निर्धारित अभ्यास है और वास्तविक रूप से किसी प्रकार के हमले की स्थिति नहीं है। इसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासनिक तंत्र की प्रभावशीलता का परीक्षण करना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि हवाई हमला चेतावनी मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार आयोजित किया जाएगा। इस दौरान राहत एवं बचाव कार्यों के लिए प्रशासनिक तंत्र की क्रियाशीलता की जांच की जाएगी। मॉकड्रिल से आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पटना नगर निगम क्षेत्र तथा नगर परिषद दानापुर निजामत, खगौल एवं फुलवारीशरीफ में विशेष रूप से मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए लॉजिस्टिक, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, विधि-व्यवस्था, वैकल्पिक संचार व्यवस्था, प्रचार-प्रसार एवं डॉक्यूमेंटेशन सहित विभिन्न कोषांग सक्रिय किए गए हैं।

मॉकड्रिल के दौरान कंट्रोल रूम भी सक्रिय रहेगा। किसी भी प्रकार की सूचना के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, पटना (0612-2210118), जिला नियंत्रण कक्ष, पटना (0612-2219810 / 2219234) अथवा डायल 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

देगलुर- कामारेड्डी के बीच तेलंगाना आरटीसी बस सेवा शुरू

बांसवाड़ा, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी डिपो के अंतर्गत देगलुर- कामारेड्डी एक्सप्रेस बस सेवा पुनः शुरू कर दी गई है, जिससे सीमा क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। यह बस सेवा प्रतिदिन दो बार संचालित की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देगलुर से एक्सप्रेस बसें प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे एवं दोपहर 2:30 बजे रवाना होती हैं। यह बस मदनूर, बिचकुंडा, पितलाम, निजामसागर एवं येलारेड्डी होते हुए कामारेड्डी पहुँचती है। सुबह की बस लगभग 9:00 बजे कामारेड्डी के अंतिम बस स्टैंड पहुँचती है, जबकि दोपहर की बस शाम 6:00 बजे गंतव्य तक पहुँचती है।

इसी प्रकार कामारेड्डी से देगलुर के लिए एक्सप्रेस बस सेवा प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे एवं शाम 6:00 बजे संचालित की जा रही है। यह बस येलारेड्डी, निजामसागर, पितलाम, बिचकुंडा एवं मदनूर मार्ग से होकर देगलुर पहुँचती है। सुबह की बस दोपहर 2:00 बजे तथा शाम की बस रात 9:00 बजे देगलुर पहुँचती है।

इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देगलुर-बांसवाड़ा पल्लेवेलुगु बस सेवा भी प्रतिदिन सुबह 4:00 बजे प्रारंभ की गई है। यह बस मदनूर, बिचकुंडा एवं वाजिदनगर होते हुए सुबह 6:20 बजे बांसवाड़ा पहुँचती है।

बताया गया कि पहले राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के यात्रियों को बस सेवाएं नियमित नहीं रहने के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों ने इस समस्या को कामारेड्डी डिपो अधिकारियों के समक्ष उठाते हुए बस सेवा को स्थायी रूप से चालू रखने की मांग की थी।

अधिकारियों ने यात्रियों की समस्याओं को देखते हुए इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया और पिछले एक महीने से बस सेवाओं का नियमित संचालन किया जा रहा है। डिपो अधिकारियों ने यात्रियों से इन बस सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है।

स्पोर्ट्स विलेज टीम ने उस्मानिया विवि अधिकारियों से की मुलाकात 2026-27 के खेल और फिटनेस कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पोर्ट्स विलेज की टीम ने बुधवार 13 तारीख को उस्मानिया विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसर प्रोफेसर राजेश कुमार से मुलाकात की, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के लिए तेलंगाना के सभी 33 जिलों में खेल और फिटनेस संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु युवाओं के बीच विभिन्न जिलों में विभिन्न खेल और गेम्स पहलों के माध्यम से खेल, स्वास्थ्य, फिटनेस और जागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा। चर्चाओं में यह भी जोर दिया गया कि युवाओं को बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बैठक में मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर और जागरूकता प्रमोटर मोहम्मद शमसुद्दीन, वरिष्ठ प्रोफेसर बी. सुनील कुमार, प्रिंसिपल और डीपीई (निदेशक शारीरिक शिक्षा), विश्वविद्यालय महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा, उस्मानिया विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स विलेज के सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती, तथा स्पोर्ट्स विलेज की मुख्य संचालन अधिकारी श्रीमती ताहा बेगम उपस्थित थीं।

पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने जनगणना प्रक्रिया में भाग लिया

बांसवाड़ा, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा शहर में चल रहे जनगणना कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को अपने निवास पर जनगणना पंजीकरण प्रक्रिया में भाग लिया।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने जनगणना पोर्टल के माध्यम से विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज किया।

इस अवसर पर विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को जनगणना में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए तथा अपनी सही जानकारी दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के माध्यम से सरकार को जनसंख्या एवं सामाजिक स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है, जिससे विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता मिलती है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना अधिकारियों का सहयोग करें और इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.